डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 जून 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
39.1 अधिकतम
22.8 न्यूनतम

Page- 7

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप

भारत-पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मैच आज

सीधा प्रसारण डीडी और स्टार स्पोर्ट्स पर शाम 7 बजे से

बर्मिंघम. एजेंसी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में आज भारत और पाकिस्तान का मुकाबला एजबेस्टन स्टेडियम में शाम 7 बजे शुरू होगा। टूर्नामेंट में दोनों टीमों का यह पहला मैच है। भारत पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंचा था। वहीं पाकिस्तान ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच 16 टी-20 मुकाबले हुए हैं। - विस्तृत पेज 7

संघ प्रमुख ने किया दत्तात्रेय होसबोले के बयान का बचाव

पाक से वार्ता पर बोले भागवत, हम हिटलर जैसे नहीं... दरवाजे खुले रखने चाहिए

नई दिल्ली/ तिरुअनंतपुरम, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का बचाव किया है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए एक विकल्प खुला रखने की बात कही थी। भागवत ने दो टूक कहा कि होसबाले ने पड़ोसी देश के लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। संघ प्रमुख ने कहा कि संगठन पाकिस्तान के संबंध में केंद्र सरकार की नीति का पालन करेगा।

भागवत ने आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत तिरुअनंतपुरम मेंआयोजित एक संवाद सत्र में कहा कि पाकिस्तान में ऐसे कई लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का बंटवारा गलत था। वहां के कई पत्रकार आरएसएस और उसके काम की तारीफ करते हैं। वहां ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है जो पाकिस्तान के खिलाफ और दो-राष्ट्र सिद्धांत के विरोध में हैं और कहते हैं कि साथ रहना बेहतर था। संघ प्रमुख ने कहा कि भविष्य में किसी युद्ध में अगर भारत पाकिस्तान को बुरी तरह हराता है, तो वहां के लोगों को या तो भारत में शामिल करना होगा या फिर उन्हें उसी देश में शांति से रहने लायक बनाना होगा। इसके लिए बातचीत के दरवाजे खुले रखने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव या तरीका नहीं है। इसलिए हमें कोई न कोई रास्ता खुला रखना चाहिए। हमें अन्याय और अत्याचार को खत्म करना चाहिए, लेकिन जो अच्छा है, उसे भी बचाकर रखना चाहिए। दरअसल, संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था। अब इसी मुद्दे पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अहम टिप्पणी की है। भागवत ने कहा कि उनका संदर्भ देश के बजाय लोगों से था। संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि आरएसएस की किसी भी देश के बारे में कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है और वह पड़ोसी देश के मामले में केंद्र सरकार के रुख का पालन करता है।

अन्याय का विरोध, लेकिन अच्छाई का संरक्षण भी जरूरी

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में परिस्थितियां बदलती हैं, तो पाकिस्तान के लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघर्ष का उद्देश्य केवल विरोधी को परास्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज में मौजूद सकारात्मक तत्वों को भी संरक्षित रखना जरूरी है। भागवत ने कहा कि भारत की संस्कृति और सोच प्रतिशोध की नहीं है। उन्होंने कहा हम अन्याय और अत्याचार का विरोध करते हैं, लेकिन जो अच्छा है उसे बचाने की भी कोशिश करते हैं। यही हमारी परंपरा और स्वभाव है।

न्यूज विंडो

सिपाही भर्ती परीक्षा, स्टेशन पर पथराव, कई ट्रेनें रोकीं

पटना। बिहार में आज सिपाही भर्ती परीक्षा हो रही है। परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों, एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते कांच के टुकड़े स्टेशन पर बिखर गए। आईजी जितेन्द्र राणा को हालात काबू करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी।

खान सर की कोचिंग में तोड़फोड़ के आरोपी की मौत

पटना। सहरसा निवासी और चर्चित शिक्षक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस कुमार यादव की नेपाल के विराटनगर स्थित एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह खान सर की कोचिंग में तोड़फोड़ का आरोपी था। घटना के बाद नेपाल पुलिस ने इसे संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, जिसके कारण मामले को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। परिजन और रौशन आनंद के समर्थक प्रिंस की हत्या का आरोप लगा रहे हैं।

हमारा हित सबसे पहले... रूस से तेल खरीदने में भारत, चीन के बाद दूसरे नंबर पर

अमेरिका की धमकी बेअसर, भारत ने रूस से खरीदा 56 हजार करोड़ का तेल

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट में खुलासा

नईदिल्ली. एजेंसी

पश्चिमी देशों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिबंधों की धमकियों को दरकिनार करते हुए भारत रूस से लगातार तेल और गैस खरीद रहा है। इसी का नतीजा है कि भारत मई 2026 में रूसी जीवाश्म ईंधन का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों द्वारा खरीद बढ़ाए जाने से रूस से कुल कच्चे तेल और अन्य ईंधन का आयात बढ़कर 5.8 अरब यूरो यानी लगभग 56 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। मई में रूस के कच्चे तेल के निर्यात में चीन की हिस्सेदारी 50 फीसदी रही, जबकि भारत 36 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, मई के महीने में रूस से भारत के कुल आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 83 फीसदी रही कच्चे तेल के अलावा भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से बड़े पैमाने पर तेल उत्पादों और कोयले का आयात भी जारी रखा। ऑयल प्रोडक्ट्स का आयात 55 करोड़ यूरो और कोयले का आयात मूल्य 42.9 करोड़ यूरो रहा। मई महीने में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में मासिक आधार पर आठ फीसदी का उछाल आया है। इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण मई में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में हुआ 21 फीसदी का

इजाफा रहा। भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे ज्यादा आमद गुजरात स्थित देश के प्रमुख रिफाइनिंग और औद्योगिक केंद्रों में देखी गई। आंकड़ों के मुताबिक, वाडिनार रिफाइनरी में अप्रैल की तुलना में मई में 36 प्रतिशत अधिक रूसी तेल जहाजों से उतारा गया। वहीं, दुनिया के सबसे बड़े जामनगर रिफाइनिंग परिसर में भी रूसी कच्चे तेल की आवक में मासिक आधार पर 14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकारी रिफायनरी भी पीछे नहीं

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरी कंपनियों ने भी इस वर्ष की शुरुआत में आयात दोबारा शुरू करने के बाद खरीद बढ़ाई है। नवंबर, 2025 के अंत में रूसी तेल आयात रोकने वाली न्यू मैंगलोर और विशाखापत्तनम रिफाइनरी ने मार्च से दोबारा खरीद शुरू की थी. मई में न्यू मैंगलोर रिफाइनरी में रूसी तेल की आपूर्ति मासिक आधार पर 13 प्रतिशत बढ़ी, जबकि विशाखापत्तनम रिफाइनरी में इसमें 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओडिशा स्थित पारादीप रिफाइनरी में भी पिछले दो साल में रूसी कच्चे तेल की सर्वाधिक मात्रा उतारी गई है।

आज हो जाएगा शांति समझौता! दुनिया की निगाहें ट्रम्प के दावे पर

वाशिंगटन डीसी / तेहरान। पूरी दुनिया की निगाहें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस दावे पर लगी हैं कि ईरान के साथ आज शांति समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। ट्रम्प ने कहा है कि इसके तुरंत बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही हालात सामान्य होने के बाद अमेरिका ईरान का एनरिच्ड यूरेनियम निकालकर खत्म करेगा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर यह प्रोसेस सफल नहीं हुई तो अमेरिका के पास आखिरी विकल्प भी मौजूद है, जिसे वह दोबारा इस्तेमाल नहीं करना चाहता। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता रविवार को साइन नहीं होगा। यह समझौता अगले कुछ दिनों में हो सकता है, लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं है। प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने यह भी कहा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नए नियम लागू कर रहा है। आगे चलकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से वहां दी जाने वाली सेवाओं के बदले टैक्स लिया जा सकता है।

फ्रांस पहुंचे मोदी, आज मैक्रों से मुलाकात

» भारतीय समुदाय ने स्वागत किया

» 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर अहम चर्चा होगी

नई दिल्ली/पेरिस/ब्रातिस्लावा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार रात फ्रांस के नीस शहर पहुंचे। होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पीएम ने बच्चे को गोद में उठाया और दुलार किया। महिलाओं ने पीएम के हाथ को माथे पर लगाया। इसके बाद मोदी ने कल्चरल प्रोग्राम देखा। वे दोपहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर अहम चर्चा होगी। भारत चाहता है कि इन विमानों में अपने हथियार जोड़ने की सुविधा मिले।

सागर जिले से सीएम देंगे लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त

सागर, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सागर जिले की देवरी विधानसभा के केसली में आयोजित कार्यक्रम में सीएम 'लाड़ली बहना योजना' की 37वीं किस्त जारी कर रहे हैं। जिसके तहत प्रदेश की 1.25 करोड़ बहनों के बैंक खातों में 1835 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री देवरी क्षेत्र को 190.85 करोड़ रुपए की लागत वाले कुल 53 विकास कार्यों की बड़ी सौगात देंगे। कुल 53 विकास कार्यों में से 122.02 करोड़ रुपए की लागत के 28 कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। वहीं, 68.83 करोड़ रुपए की लागत से पूरे हो चुके 25 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इससे देवरी और केसली क्षेत्र में ग्रामीणों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी।

संडे लाइफ में आज

- पं. विष्णु राजौरिया का कॉलम सितारों की बात
- घर में दिशा और डिजाइन का वास्तविक महत्व

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

भोपाल की बॉक्सिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रही माही लामा का वर्ल्ड कप के लिए चयन

चीन की रिंग में मध्यप्रदेश की बेटी लगाएगी पंच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की युवा बॉक्सर माही लामा ने अपनी शानदार प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनानी शुरू कर दी है। एनआईएस पटियाला में आयोजित असेसमेंट रैंकिंग ट्रायल में दमदार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने भारतीय टीम में जगह पक्की कर ली है। 60 किलोग्राम भार वर्ग में खेले गए इन मुकाबलों में माही ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को एकतरफा अंदाज में हराकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। अब वह 15 से 20 जून 2026 तक चीन के गुइयांग में आयोजित होने वाले बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

उनकी इस सफलता को मध्यप्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। माही लामा भोपाल स्थित राज्य बॉक्सिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं और पिछले कुछ सालों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। एनआईएस पटियाला में 13 से 15 मई 2026 तक आयोजित असेसमेंट रैंकिंग ट्रायल में माही लामा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अपने पहले मुकाबले में उन्होंने हरियाणा की विंका को 4.1 से हराया। इसके बाद दूसरे मुकाबले में महाराष्ट्र की दिशा पाटिल को 5.0 के अंतर से शिकस्त देकर अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन किया। इन लगातार जीतों ने उन्हें विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाई।

प्रदेश के खेल जगत के लिए गौरव का क्षण

माही की उपलब्धि न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मध्यप्रदेश के खेल जगत के लिए भी गर्व का क्षण है। उनकी सफलता ने राज्य के उभरते खिलाड़ियों के लिए नई उम्मीद और प्रेरणा पैदा की है। माही से उम्मीद है कि वह अपने फॉर्म को बरकरार रखते हुए भारत के लिए पदक की दावेदारी पेश करेंगी। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने माही लामा को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी लगातार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि माही वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेंगी और भारत के लिए बड़ी सफलता हासिल करेंगी।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में मिलीभगत का खेल

विवि ने बना दी फर्जी डिग्रियों की फैक्ट्री, दस साल में कुलगुरु बदले, पर नहीं रुका फर्जीवाड़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में संबद्धता और निरीक्षण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध श्रीराम महाविद्यालय वर्ष 2016 से केवल कागजों पर संचालित होता रहा, जबकि बीयू बिना निरीक्षण किए उसे संबद्धता और हर वर्ष निरंतरता प्रदान करता रहा। इस दौरान महाविद्यालय में प्रतिवर्ष लगभग 150 विद्यार्थियों के प्रवेश भी होते रहे और उन्हें डिग्रियां जारी की जाती रहीं।

जानकारी के अनुसार, महाविद्यालय के विदिशा से भोपाल स्थानांतरण के दौरान भी विश्वविद्यालय ने नियमानुसार निरीक्षण नहीं कराया। संबद्धता समिति और कार्यपरिषद (ईसी) की मंजूरी के आधार पर कॉलेज को लगातार मान्यता मिलती रही। पिछले 10 वर्षों में दो कुलगुरु और चार कुलसचिव बदले, लेकिन किसी ने भी इस कथित फर्जी महाविद्यालय की वास्तविक स्थिति की जांच नहीं की। मार्च 2026 में शिकायत मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने जांच समिति गठित की। समिति ने अपनी रिपोर्ट में महाविद्यालय को फर्जी बताया, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी बीच 30 अन्य बीएड कॉलेजों में भी अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं।

गठित होती है समिति

नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय तीन प्रोफेसरों की निरीक्षण समिति गठित करता है, जो कॉलेज की अधोसंरचना, शिक्षकों, विद्यार्थियों, प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करती है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर कार्यपरिषद संबद्धता और निरंतरता पर निर्णय लेती है। हर वर्ष निरीक्षण अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में नियमों का पालन नहीं हुआ।

एनसीटीई की भूमिका भी सवालों में

बीएड कॉलेजों को मान्यता देने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के पास है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि कथित फर्जी महाविद्यालय को वर्षों तक मान्यता कैसे मिलती रही। इस मामले में बीयू के कुलसचिव समर बहादुर सिंह का कहना है कि श्रीराम महाविद्यालय की जांच रिपोर्ट मिल गई है और जांच जारी है। अभी तक बिना निरीक्षण किए विवि कालेजों को संबद्धता जारी करता था। इस साल से निरीक्षण शुरू कराया गया है। इसमें 30 अन्य महाविद्यालयों में भी कमियां पाई गई हैं।

ईसी ने दोबारा परीक्षण के दिए निर्देश

तीन जून को हुई कार्यपरिषद की बैठक में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। परिषद ने मामले के पुनः परीक्षण के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि इस वर्ष से सभी कॉलेजों का भौतिक निरीक्षण शुरू किया गया है, जिसमें 30 अन्य संस्थानों में भी कमियां पाई गई हैं। बीएड कालेजों को मान्यता एनसीटीई देता है। कालेजों को संबद्धता विश्वविद्यालय देते हैं। इसके लिए निरीक्षण आदि की व्यवस्था है। संबद्धता के बाद कालेज काउंसलिंग में शामिल होते हैं। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाती है तो यह संबंधित विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है।
– **अनुपम राजन**, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा

संस्कार में दो दिवसीय सेमिनार का समापन

सफलता का सूत्र : अनुशासित दिनचर्या और अंग्रेजी पर पकड़

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संस्कार पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय षिक्षक सेमीनार का आयोजन किया गया सेमिनार के दूसरे दिन पहले सत्र में वक्ता के रूप में समाज सेवी आयल साधवानी दैनिक जीवन में अंग्रेजी भाषा की व्यवहारिक कला, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए विषय पर अपनी बात रखी।

संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा आयल साधवानी जी एस. बी. आई बैंक से रिटायर्ड होने के बाद वे सामाजिक कार्यां में हमेषा सक्रीय रहे, सेवा सदन और साधु वासवानी स्कूल में अपनी सेवाएें दीं और विभिन्न प्रकार के कार्यों से जु? रहे और कहा कि इस तरह के आयोजन वर्ष के प्रारंभ में किए जाते हैं जिससे षिक्षकों का उत्साह वर्धन होता है और कार्य को अधिक लगन से करने की क्षमता बढ़ती है कार्यक्रम में वक्ता के रूप उपस्थित श्री आयल साधवानी जी ने बताया कि नर्सरी से ज्ञ्ळ प्प् बच्चों का बेस होता है इस समय बच्चों को छोटे-छोटे सेंटेंस सिखाएं जिससे उनके माता-पिता बहुत प्रभावित होंगे, इंग्लिश यूनिक लैंग्वेज है, दैनिक जीवन में यदि इंग्लिश बोलने का प्रयोग करेंगे तो सामने वाला व्यक्ति प्रभावित होगा। बच्चों को अंग्रेजी लिखने के नियमों को भी सिखाएं जैसे कहां कैपिटल लेटर आना है और कहां स्मॉल लेटर। बच्चों की कॉमन मिस्टेक्स पर ध्यान दें एवं नाउन प्रोनाउन का प्रयोग और बच्चों को यह भी बताएं कि इंग्लिश रीडिंग करें, इंग्लिश बोलें और इंग्लिश में ही सोचें इससे आपको इंग्लिश बोलने में घबराहट भी नहीं होगी। शिक्षक बच्चों को अंग्रेजी बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। धीरे-धीरे उनका करेक्शन भी करते रहे, इससे बच्चों का रुझान भी इंग्लिश की ओर बढ़ेगा एवं बच्चों में अंग्रेजी सीखने की क्षमता भी ब?गी। तथा दूसरे सत्र में वक्ता के रूप में कर्नल श्री नारायण पारवानी जी अनुषासन का महत्व एवं उसे व्यवहार में लाने के प्रभावी उपाय पर उद्बोधन देने के लिए उपस्थित हुए। कर्नल श्री नारायण पारवानी जी ने अनुशासन के महत्व बताते हुए कहा कि अनुशासन के अंतर्गत बच्चों की वेशभूषा भी साफ-सुथरी होनी चाहिए। यही तो विद्यालय की पहचान होती है। समय की नियमितता पर ध्यान दें।

सुधार सभा के शिक्षक-शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण कार्यशाला

शिक्षकों को जहां सीखने का अवसर मिले, वे सीखें

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सुधार सभा द्वारा संचालित संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में साधु वासवानी, मुदिता इंटरनेशनल स्कूल की शिक्षिकाओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय शिक्षक अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। संस्था के पदाधिकारियों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के सामने अपनी अपेक्षाएं रखीं। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रमनानी ने कहा, शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है, परंतु इसमें और सुधार की आवश्यकता है क्योंकि शिक्षकों का दायित्व बहुत बड़ा होता है। आपके हाथों में ही बच्चों की बागडोर है, इसलिए शिक्षा के प्रयासों को और भी सुदृढ़ करने की जरूरत है। शिक्षकों को जहां भी सीखने का अवसर मिले, वे अवश्य सीखें। सुधार सभा के अध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र एक ऐसा पवित्र क्षेत्र है जहां बच्चों का भविष्य निर्धारित होता है। इसलिए इस वर्ष हमें ऐसे कदम उठाने हैं जिससे बच्चों का परिणाम शत-प्रतिशत आए, क्योंकि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनका सही मार्गदर्शन करना शिक्षकों के हाथ में है। मधुबन एजुकेशनल बुक्स की कीर्ति तोलानी ने कहा कि हर कक्षा में तीन तरह के बच्चे होते हैं स्लो, मीडियम और फास्ट।

ईदगाह हिल्स क्षेत्र की बदहाल सड़कें बनीं मुसीबत

भोपाल। ईदगाह हिल्स रोड पर सड़कें बारिश शुरू होने से पहले ही बदहाल हो चुकी हैं। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ा डामर और क्षतिग्रस्त सड़कें वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद नगर निगम और संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मानसून की दस्तक से पहले ही सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। सड़क पर पानी भरने से गड्ढे दिखाई नहीं देंगे, जिससे हादसों की आशंका बढ़ जाएगी।

टीआईटी ग्रुप में फेयरवेल और प्री-ग्रेजुएशन डे सेरेमनी आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (टी आई टी) में फाइनल ईयर विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल एवं प्री-ग्रेजुएशन डे सेरेमनी आयोजित की गई। समारोह में फाइनल ईयर के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजीव गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. एस. सी. चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि भले ही एआई जॉब मार्केट में चुनौती दे रहा हो, पर योग्य विद्यार्थियों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने टी आई टी में हो रहे प्लेसमेंट की सराहना की और संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के लिए की गई ग्रूमिंग व्यवस्था को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया। मुख्य संरक्षक डॉ. रामरज करसोलिया ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दो दिवसीय आयोजन का विशेष आकर्षण संगीत संध्या रही, जिसमें डी जे नाइट का आयोजन किया गया।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत का असर

अवैध स्पीड ब्रेकर हटाया, टोयोटा के शोरूम पर 10 हजार का जुर्माना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होशंगाबाद रोड स्थित टोयोटा वाहन शोरूम राजपाल अभिकरण के सामने सर्विस रोड पर कथित रूप से अवैध तरीके से बनाए गए स्पीड ब्रेकर को लेकर की गई शिकायत के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की है। स्थानीय नागरिक प्रफुल्ल दानी द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शोरूम के सामने सर्विस रोड पर बिना अनुमति एवं निर्धारित मानकों के विपरीत स्पीड ब्रेकर का निर्माण किया गया है। इससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी।

शिकायत के बाद नगर निगम की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में अनियमितता पाए जाने पर नगर निगम ने राजपाल अभिकरण पर 10 हज़ार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया। इसके साथ ही अवैध रूप से बनाए गए स्पीड ब्रेकर को हटाने की कार्रवाई भी की गई। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सार्वजनिक सड़क पर किसी भी प्रकार का निर्माण संबंधित विभाग की अनुमति और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप ही होना चाहिए। नागरिकों ने नगर निगम की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे नियमों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। लोगों का मानना है कि इस कार्रवाई से शहर में बिना अनुमति सड़क पर बनाए गए अवैध स्पीड ब्रेकरों और अन्य अवरोधकों के खिलाफ सख्त संदेश जाएगा तथा भविष्य में ऐसी अनियमितताओं पर अंकुश लगेगा।

सवारी डिब्बा कारखाने में रेल हिंदी प्रतियोगिताओं का पहला दौर संपन्न

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेल कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में काम करने की रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय प्रति वर्ष त्रिस्तरीय हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित करता है। इसी क्रम में सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी.कोहाडे के संरक्षण में तीन दिवसीय ÷अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताएँ- 2026 के प्रथम दौर का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के प्रथम दिन राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कारखाना के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। दूसरे दिन हिंदीं के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता- 2026 ÷ का आयोजन किया गया। अंतिम दिन कर्मचारियों के वाक् कौशल एवं वाद-विवाद क्षमता को विकसित करने के लिए प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल आर.के. उपाध्याय, एसीएमटी, प्रशांत नरसिंहपुरकर, सहायक कार्य प्रबंधक एवं रमेश कुमार रंगा, सहायक सामग्री प्रबंधक ने दौर की प्रतियोगिता के लिए योग्य प्रतिभागियों का चयन किया।

इन सभी प्रतियोगिताओं में कारखाने के कुल 81 कर्मचारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारी मुख्यालय स्तर पर तथा मुख्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला प्रतिभागी अखिल भारतीय स्तरपर कारखाना का प्रतिनिधित्व करेगा।

मेट्रो एंकर

मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर चित्रकला प्रतियोगिता

पेंटिंग के माध्यम से युवाओं ने उकेरा विकसित भारत का स्वरूप

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूरा होने पर भाजपा जिला ने जनजातीय संग्रहालय में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी एवं जिलाध्यक्ष रविंद्र यति मौजूद रहे। प्रतियोगिता में दो आयु वर्ग-15 से 21 वर्ष एवं 21 वर्ष से अधिक-बनाए गए थे। प्रतिभागियों ने ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, वंदे भारत रेल सेवा, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान एवं किसान सम्मान निधि सहित मोदी सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक निर्णयों को अपनी सृजनात्मक कला के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज देश का युवा विकसित भारत के संकल्प को आत्मसात कर रहा है। इस चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं ने राष्ट्र निर्माण की भावना और भारत के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना को अपने रंगों में अभिव्यक्त किया है। प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह जी ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष केवल उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की सफल यात्रा है। युवाओं द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स में आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत और जनकल्याण की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह नई पीढ़ी के राष्ट्र के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच का प्रतीक है।

महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के अधिकार पर हुई महिला कांग्रेस में चर्चा

संतनगर। संतनगर में महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला प्रभारी मनीषा रावत, जिला सह प्रभारी रोशनी गौहर, प्रदेश महासचिव संतोष कंसाना, प्रदेश महासचिव महक राणा, पार्षद अशोक मारण, वार्ड अध्यक्ष राजेश लीलानी, जिला महामंत्री सोनी जैन एवं ब्लॉक अध्यक्ष पूनम यादव सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। बैठक में महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं के अधिकार, बेटियों के विरुद्ध बढ़ रहे अत्याचार तथा यौन शोषण जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए समाज एवं शासन स्तर पर प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने तथा संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में भावना उदासी, अंजली, पदमा, शांतिकाबाई, संपदा, सोनिया, रामश्री, कमला, शीला, रेखा, विनीता, काजल, कनक, कशिश, नीतू, रिया, पार्वती, आकांक्षा, ऋतु, ममता, बबली सहित अनेक महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आईजी कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री की दो टूक

कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस, जनता का भरोसा ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार और उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सिंहस्थ-2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। इस आयोजन में संवेदनशीलता, सक्रियता, सतर्कता और सेवा भाव से मध्यप्रदेश पुलिस, आदर्श व्यवस्था का उदाहरण देश-दुनिया में प्रस्तुत कर सकेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को पुलिस विभाग की प्रमुख प्राथमिकताएं बताते हुए अधिकारियों को प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, संगठित अपराध, माफिया गतिविधियां, भूमि संबंधी अपराध, सामाजिक चुनौतियों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस को तकनीकी दक्षता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ

प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए चलाएं जनजागरण अभियान

डॉ. यादवने मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यवाहियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं। मध्यप्रदेश पुलिस के अथक प्रयासों से मंडला और बालाघाट जिले नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हुए। मध्यप्रदेश की धरती से लाल सलाम को आखिरी सलाम किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश की धरती से नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने सुशासन की मिसाल प्रस्तुत की है। मध्यप्रदेश, नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने वाला देश का पहला राज्य बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी अनेकों उपलब्धियों के लिए आज प्रदेशवासी मध्यप्रदेश पुलिस और सुरक्षाबलों पर गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आमजन की सहभागिता से व्यापक जनजागरण अभियान संचालित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए जागरूकता, संवाद और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भर्ती के लिए आवश्यक प्रबंधन कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत सरकार के नए आपराधिक कानूनों को लागू करते हुए और सभी जरूरी संसाधन जुटाते हुए पुलिस भर्ती प्रक्रिया को जारी रख रही है। अब तक पुलिस विभाग में 22 हजार अलग-अलग पदों पर भर्ती की जा चुकी है।

अमृत 2.0 में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

आयुक्त की दो टूक-15 दिन में सुधार नहीं तो कॉन्ट्रेक्टर होंगे ब्लैकलिस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने अमृत 2.0 के तहत संचालित जलप्रदाय परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि रेड लिस्ट में शामिल संविदाकार (कॉन्ट्रेक्टर) यदि आगामी 15 दिनों में कार्यों की प्रगति में सुधार नहीं लाते हैं, तो उनकी परफॉर्मेंस गारंटी काटी जाएगी और उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रेड लिस्ट की सभी परियोजनाओं पर अनुबंध की शर्तों के अनुसार लेवीड डैमेज भी अधिरोपित

किया जाएगा। अमृत 2.0 योजना की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में आयुक्त भोंडवे ने अधिकारियों और संविदाकारों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदार एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपलब्ध कराई गई राशि का मार्च 2026 तक शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित कर लिया गया है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन और समयबद्ध भुगतान व्यवस्था के कारण मध्यप्रदेश ने अमृत योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और वर्तमान में देशभर में सातवां स्थान हासिल किया है।

रीवा संभाग में दो हजार से ज्यादा गर्भवती महिलाएं एनीमिया पीड़ित

सतना, सीधी और सिंगरौली जिले भी शामिल

रीवा। रीवा संभाग में गर्भवती महिलाओं के बीच गंभीर रक्ताल्पता (एनीमिया) एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बनकर सामने आई है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, संभाग में 2 हजार से अधिक गर्भवती महिलाएं खून की भारी कमी से जूझ रही हैं। इन महिलाओं के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 7 ग्राम प्रति डेसीलीटर से भी नीचे पहुंच गया है, जो मां और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों की जान के लिए बड़ा खतरा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर नजर

डालें तो संभाग के रीवा जिले में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां 7 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन वाली 884 गर्भवती महिलाओं को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा सतना जिले में 567, सीधी में 303 और सिंगरौली में 246 गर्भवती महिलाएं गंभीर रक्ताल्पता की शिकार पाई गई हैं।

इन खतरनाक आंकड़ों ने संभाग की स्वास्थ्य व्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश स्तर की रिपोर्ट में भी यह बात सामने आई है कि गंभीर रक्ताल्पता से पीड़ित गर्भवतियों के इलाज और प्रबंधन में रीवा संभाग सबसे निचले पायदान पर है।

गेहूं खरीदी में गड़बड़ी पर बड़ा एक्शन

भोपाल। सागर जिले में गेहूं खरीदी में गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित श्री देव प्रभाकर हाउस में गंभीर अनियमितताओं और किसानों के हितों से खिलवाड़ के मामले को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर मामले में प्रथम दृष्ट्या लापरवाही पाए जाने पर सहायक आपूर्ति अधिकारी निशांत पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति बघेल को सागर जिले प्रभार से हटा कर भोपाल मुख्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री द्वारा कलेक्टर सागर को यह भी निर्देशित किया गया है कि खाद्य विभाग के अतिरिक्त उपार्जन के लिए जिम्मेदार अन्य विभाग के कर्मचारियों की भूमिका की जांच भी की जाए और दोषी होने पर उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाये।

सुरक्षाकर्मियों को दिया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार शाम पुलिस मुख्यालय के भूतल पर सुरक्षाकर्मियों एवं कर्मचारियों को स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया। अग्नि नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों द्वारा आग बुझाने की मॉकड्रिल भी की गई। मॉकड्रिल के दौरान तरल पदार्थों में लगी आग को पुलिस के जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग से किस तरह आसानी से बुझाई जा सकती है, इसका प्रशिक्षण प्राप्त किया। सुरक्षाकर्मियों ने आग को धुएं और लपटों से बचकर बुझाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर आग बुझाने का अभ्यास भी किया। मॉकड्रिल में सुरक्षा इंचार्ज मुकेश सैनी, निरीक्षक विजय नागले, पुलिस फायर स्टेशन भोपाल के एसआई श्री शिवनारायण शर्मा व उनकी टीम उपस्थित थी।

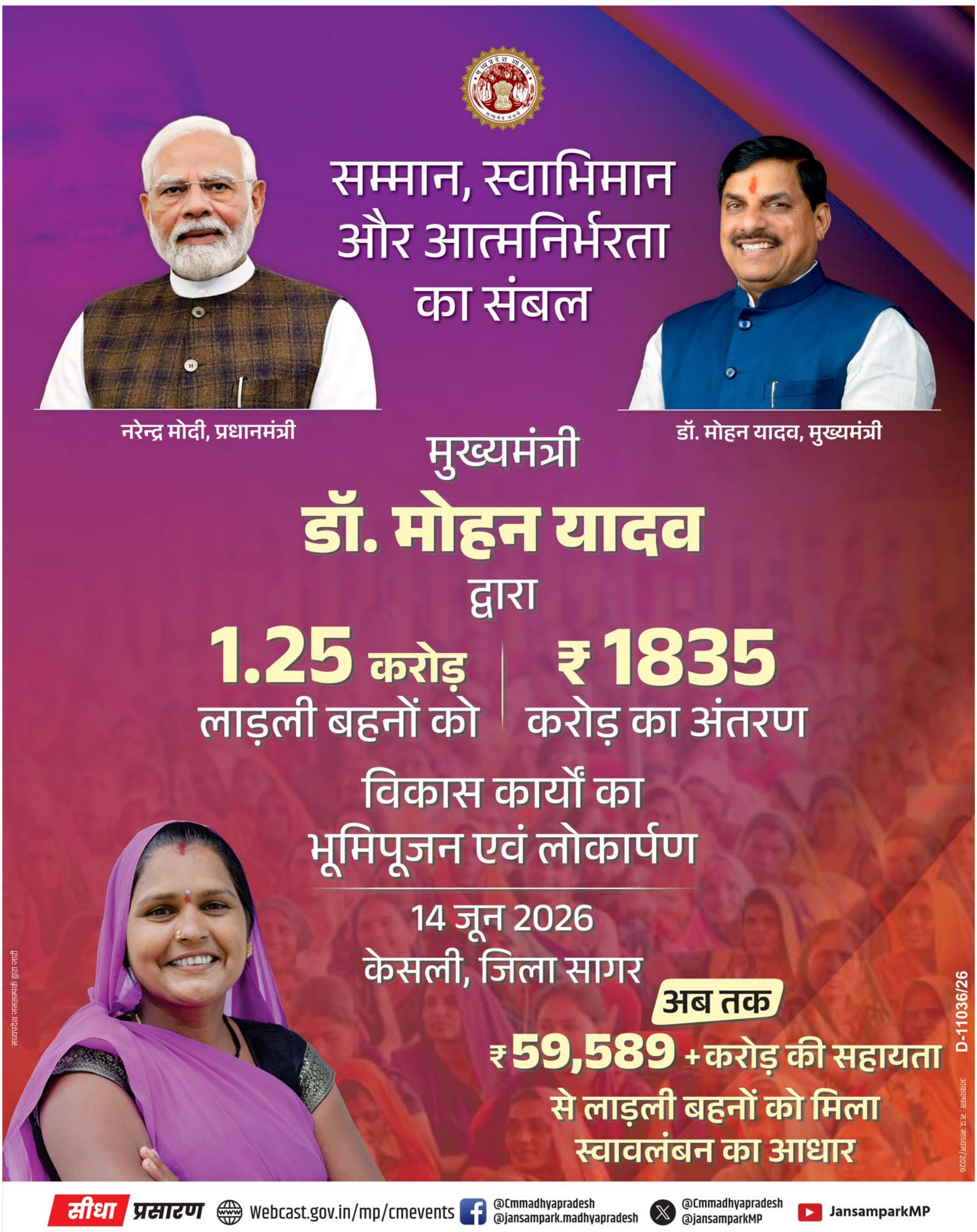

वास्तु ही नहीं विज्ञान भी

वास्तु में पूर्व दिशा को सूर्य का स्थान माना गया है। विज्ञान भी मानता है कि सुबह की प्राकृतिक रोशनी शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करती है। सुबह का प्रकाश नींद के चक्र, मानसिक सक्रियता और मूड पर असर डालता है।

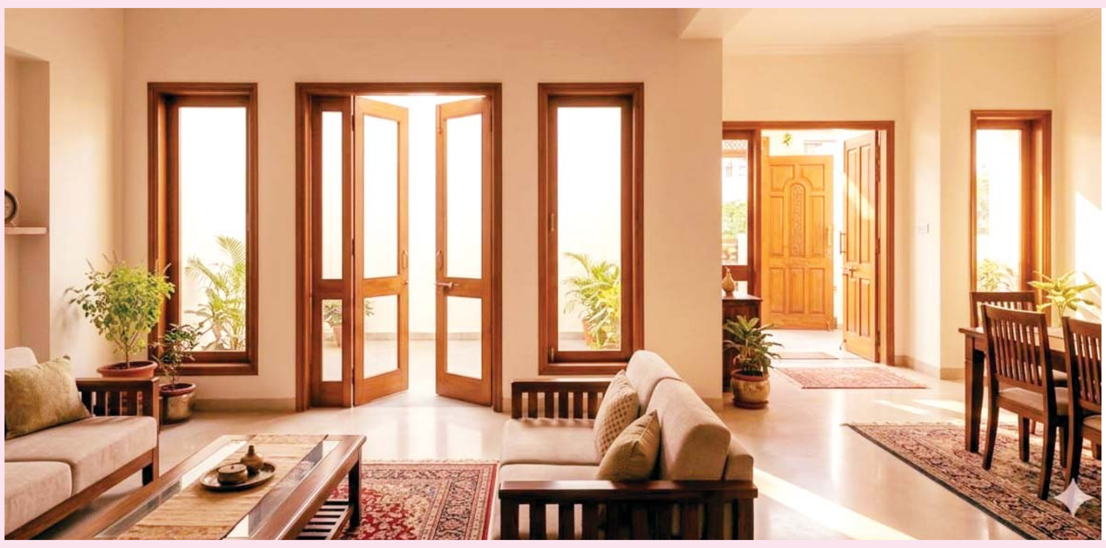

घर में हवा, सूरज, दिशा और डिजाइन का वास्तविक महत्व

घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारे शरीर और मन पर लगातार असर डालने वाला वातावरण है। सदियों पहले भारतीय परंपरा में घर की दिशा, आंगन, रोशनी और हवा को लेकर जो नियम बनाए गए, उनमें से कई बातें आज आधुनिक विज्ञान और पर्यावरण आधारित वास्तुकला से जुड़ती दिखाई देती हैं।

हालांकि हर वास्तु मान्यता को वैज्ञानिक कसौटी पर साबित नहीं किया जा सकता, लेकिन घर में प्राकृतिक रोशनी, हवा का प्रवाह, तापमान नियंत्रण और सही डिजाइन का महत्व दुनिया भर के वास्तु विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स से जुड़े कई वास्तुविद मानते हैं कि भवन निर्माण में सबसे जरूरी बात स्थानीय जलवायु और प्रकृति के साथ तालमेल है। प्रसिद्ध वास्तुकार चार्ल्स कोरिया ने भारतीय वास्तुकला में जलवायु, प्रकाश और खुले स्थानों के महत्व पर जोर दिया था। उनका मानना था कि भारतीय घरों की पारंपरिक संरचनाओं में मौसम के अनुसार जीवन जीने की समझ छिपी थी। सूरज की रोशनी वास्तु का सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक हिस्सा है। वास्तु में पूर्व दिशा को सूर्य का स्थान माना गया है। विज्ञान भी मानता है कि सुबह की प्राकृतिक रोशनी शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करती है। सुबह का प्रकाश नींद के चक्र, मानसिक सक्रियता और मूड पर असर डालता है। पर्यावरण डिजाइन विशेषज्ञों के अनुसार, घर में सुबह की धूप आने से नमी कम होती है और हवा बेहतर रहती है। आर्किटेक्ट बी. वी. दोषी ने हमेशा ऐसी वास्तुकला की वकालत की जिसमें प्रकृति, रोशनी और इंसान के बीच संतुलन हो। उनके अनुसार, अच्छा भवन वह है जो अपने आसपास के वातावरण से संवाद करे।

आंगन: पुराने घरों का वैज्ञानिक मॉडल

पुराने भारतीय घरों में बीच में आंगन बनाने की परंपरा थी। आज इसे 'क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव डिजाइन' कहा जाता है। इससे गर्म हवा ऊपर निकलती है, रोशनी अंदर तक पहुंचती है, हवा का प्राकृतिक दबाव बनता है और घर का तापमान संतुलित रहता है। यही कारण है कि राजस्थान की हवेलियों से लेकर दक्षिण भारत के पारंपरिक घरों तक खुले स्थानों का महत्व रहा है।

दिशा का डर नहीं, जलवायु की समझ: कई बार वास्तु को लेकर डर पैदा कर दिया जाता है कि किसी दिशा में घर या कमरा होने से नुकसान होगा। विज्ञान इस तरह के दावों को प्रमाणित नहीं करता। लेकिन यह जरूर मानता है कि दिशा का चयन जलवायु के अनुसार होना चाहिए। ऊर्जा विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत जैसे गर्म देश में पश्चिम दिशा की तेज धूप घर को ज्यादा गर्म कर सकती है। इसलिए छज्जे, पेड़ और सही डिजाइन ऊर्जा की खपत कम कर सकते हैं।

वास्तु और विज्ञान के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि विज्ञान कारण पूछता है। अगर किसी नियम के पीछे हवा, रोशनी, तापमान या स्वास्थ्य का तर्क है तो वह आधुनिक वास्तुकला में भी महत्वपूर्ण है। घर बनाने की पुरानी भारतीय समझ में प्रकृति को साथ लेकर चलने की सोच थी। आज जरूरत है कि हम परंपराओं को अंधविश्वास की जगह तर्क और विज्ञान की कसौटी पर देखें। क्योंकि अच्छा घर वह नहीं जो केवल नियमों में फिट बैठे, बल्कि वह है जहां रहने वाला इंसान स्वस्थ, खुश और आरामदायक जीवन जी सके।

हवा का रास्ता और घर की सेहत

वास्तु में घर में हवा के प्रवाह को महत्वपूर्ण माना गया है।

आधुनिक विज्ञान इसे वेंटिलेशन कहता है। पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि बंद घरों में प्रदूषक तत्व जमा हो सकते हैं। पर्याप्त वेंटिलेशन घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता सुधारता है। वास्तु विशेषज्ञों की राय भी यही है कि दरवाजे और खिड़कियों की स्थिति केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि हवा और रोशनी की जरूरत से जुड़ा विषय है।

रसोई और अग्नि तत्व के पीछे विज्ञान

वास्तु में रसोई को अग्नि तत्व से जोड़ा गया है। वैज्ञानिक

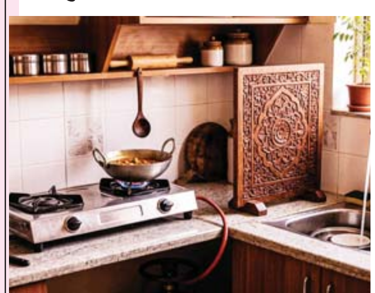

रूप से रसोई ऐसी जगह होनी चाहिए जहां धुआं आसानी से बाहर निकले। पर्याप्त हवा मिले और गर्मी घर के बाकी हिस्सों में न फैले आज मॉड्यूलर किचन डिजाइन में भी सबसे ज्यादा ध्यान एग्जॉस्ट, वेंटिलेशन और सुरक्षा पर दिया जाता है।

वैज्ञानिक घर के पांच सूत्र

- पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी
- हवा का लगातार आवागमन
- स्थानीय मौसम के अनुसार डिजाइन
- हरियाली और खुले स्थान
- ऊर्जा की बचत करने वाली संरचना

जीवन-ज्योति

'परिवार वही, दृष्टिकोण बदले तो जीवन बदल जाता है'

सिस्टर बीके शिवानी

मोटिवेशनल स्पीकर

परिवार हमारे जीवन का सबसे बड़ा अभ्यास स्थल है। बाहर की दुनिया में हम अपने व्यवहार को नियंत्रित कर लेते हैं, लेकिन घर में हमारे वास्तविक विचार और संस्कार सामने आते हैं। इसलिए परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि स्वयं को समझने का अवसर है। रिश्तों में परेशानी अक्सर व्यक्ति की वजह से नहीं, बल्कि हमारी सोच की वजह से आती है। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें समझे, हमारी भावनाओं का ध्यान रखे, हमारी अपेक्षाओं के अनुसार व्यवहार करे। लेकिन जब हम यह उम्मीद छोड़कर यह सोचते हैं कि मुझे पहले प्रेम और सम्मान देना है, तब रिश्तों में बदलाव शुरू होता है।

हम अक्सर कहते हैं– 'मेरे बच्चे मेरी बात नहीं सुनते ', 'मेरे जीवनसाथी मुझे नहीं समझते ', 'घर में कोई मेरा ध्यान नहीं रखता।' लेकिन अगर अपने विचारों को देखें तो पता चलता है कि कहीं न कहीं हम भी दूसरों को वैसे ही स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, जैसे वे हैं। हर आत्मा अपनी यात्रा पर है। हर व्यक्ति अपने संस्कारों, अनुभवों और सोच के साथ जीवन जी रहा है। अगर मैं हर व्यक्ति को बदलने की कोशिश करूंगी तो मेरे मन में संघर्ष रहेगा। लेकिन अगर हम अपने विचारों को सकारात्मक बनाएँगे तो वही रिश्ते सहज लगने लगेंगे। परिवार में सबसे बड़ी जरूरतबातचीत की नहीं, बल्कि सही भावना से बातचीत की है। कई बार शब्द सही होते हैं लेकिन उनके पीछे की भावना शिकायत वाली होती है। वही शब्द रिश्ते को चोट पहुंचा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले मन में सम्मान आए, फिर शब्द बाहर आएं। माता-पिता और बच्चों के रिश्ते में भी यही बात लागू होती है। बच्चों को केवल निर्देश नहीं चाहिए, उन्हें विश्वास चाहिए। जब हम उन्हें अपनी संपत्ति नहीं बल्कि एक स्वतंत्र आत्मा समझते हैं, तब संबंध और सुंदर हो जाते हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में भी प्रेम का अर्थ यह नहीं कि दूसरा व्यक्ति मेरी हर इच्छा पूरी करे। प्रेम का अर्थ है हम दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और एक-दूसरे की कमजोरी के समय शक्ति बनें। घर का वातावरण दीवारों से नहीं, विचारों से बनता है। यदि घर में हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि 'मुझे क्या मिला?' तो दूरी बढ़ेगी। लेकिन यदि सोच हो कि 'मैं क्या दे सकता हूं?' तो वही घर शांति का स्थान बन सकता है। रिश्तों को ठीक करने के लिए हमें दूसरे की गलतियों की सूची नहीं बनानी चाहिए, बल्कि अपने विचारों की जांच करनी चाहिए। क्योंकि जब मेरा मन शांत होता है, तो वही परिवार मुझे अलग दिखाई देने लगता है। परिवार बदलने की जगह नहीं, स्वयं को निखारने की जगह है। जब एक व्यक्ति भी अपने विचारों में प्रेम, धैर्य और सम्मान लाता है, तो पूरे परिवार की ऊर्जा बदलने लगती है। यही रिश्तों की असली शक्ति है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 31 मई से 06 जून तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक इस सप्ताह उत्तम आर्थिक उपलब्धि अर्जित कर सकेंगे, आपका रुका हुआ धन प्राप्त होगा, साथ ही आर्थिक कर्म से रुके हुए कार्य होना प्रारंभ हो सकेंगे। भवन भूमि संबंधी कार्य आगे बढ़ेंगे और उनमें सफलता प्राप्त होगी।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, यात्रा भूमि भवन वाहन संबंधी कार्य एवं घर के मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनने से मन प्रसन्न रहेगा, कृषि कार्य एवं व्यापार में लगे वृषभ राशि के जातकों को अपने व्यापार व्यवसाय में उत्तम सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन: राशि के जातकों को नई जिम्मेदारी मिलने से कार्य की अधिकता बढ़ सकती है ,तथा उनके कार्यों में निरंतर प्रगति होगी, आर्थिक रूप से एवं सामाजिक कार्यों में वृद्धि होने से मान सम्मान एवं आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि क्षेत्र के कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं छात्र एवं विद्यार्थी वर्ग को कंपटीशन में उत्तम सफलता अर्जित होगी।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ शिथिलता का अनुभव करेंगे अपने स्वास्थ्य संबंधी गड़बड़ी के कारण उनको कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, उदार विकार विशेष रूप से हो सकता है, अतः खान-पान और दिनचर्या में नियंत्रण रखने की आवश्यकता बनी हुई है।

सिंह: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव करेंगे व्यापार व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सावधानी की आवश्यकता है, आपके निकट के लोगों के द्वारा कुछ गड़बड़ी पैदा की जा सकती है ,आर्थिक लेनदेन में विशेष सावधानी बरतनी की आवश्यकता है।

कन्या: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे ,आपके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना होगी ,साथी घर परिवार के विशेष दायित्व मांगलिक कार्य जैसे कार्य शुभारंभ हो सकता है।

तुला: राशि के जातक तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में आपकी कार्यों की प्रशंसा होगी, भूमि भवन वाहन संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: राशि के जातक आगामी सप्ताह में स्थिरता का अनुभव करेंगे आपके द्वारा लगातार किए गए प्रयासों से कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने जा रहा है। जिससे आपकी सामाजिक पारिवारिक एवं आर्थिक दृष्टि से संपन्निता का अनुभव होगा, सामाजिक रूप से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ,व्यापार व्यवसाय में उत्तम लाभ होने के संकेत हैं।

धनु: राशि के जातक आगामी सप्ताह में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता बनी हुई है, लेकिन कृषि एवं व्यावसायिक क्षेत्र में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं, स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखने की आवश्यकता है, आपको हड्डियों में दर्द कठिनाई का अनुभव कर सकती हैं पता 50 वर्ष से आयु के ऊपर के जातक विशेष सावधानी रखें ,बात विकार समस्या दे सकता है।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में व्यवसाय एवं पर्यटन संबंधी कार्यों के कारण अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त करेंगे आर्थिक प्रभाव निरंतर बना रहेगा, आर्थिक दृष्टि से आप सावधानी से कार्य करें,धनागम में कमी होना और खर्चे में अधिकता होने के संकेत मिल रहे हैं।

कुंभ : राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशील रहने के संकेत हैं आपके व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी ,घर में परिवार में मांगलिक कार्य की आहट सुनाई दे रही है, आगामी दिनों में होने वाले मांगलिक कार्य की तैयारी और रूपरेखा में आपकी व्यस्तता प्रारंभ हो जाएगी।

मीन : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है आपके स्वास्थ्य में गिरावट साथी उधर विकार की समस्या के कारण हड्डियों के दर्द के कारण आपको परेशानी का अनुभव हो सकता है अतः इस संबंध में विशेष सावधानी रखें साथी विशेष लंबी यात्रा करने से बचें।

दिया कबीरा रोय

सुधीर नायक

व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

मन लागो मेरो यार नौकरी में...

एक बात मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं।यदि उन्हें पंडित हरिप्रसाद चौरसिया जी के साथ भी बिठा दिया जाये तो वे उनसे भी यही पूछेंगे कि सब खर्चे काटकर कितना पड़ जाता है महीने का?वे पंडित जी की बांसुरी उलट पलट कर देखने लगेंगे।पूछेंगे- पंडितजी,कितने की ली थी ये पुंगी?अरे रे !!! बहुत ज्यादा झटक लिए आपसे।यहां भोपाल में बांस बहुत हैं।कहो तो यहीं बनवा दें।रखा क्या है?पोंगरी में छेद ही तो डलवाना है।उनका ध्यान पंडित जी की तान से ज्यादा पंडित जी के सामान पर रहेगा।

यह भी हो सकता है कि वे पंडित चौरसिया को सलाह दें कि संस्कृति विभाग में संविदा पर क्यों नहीं घुस आते?बंधी बंधाई तनख्वाह मिलेगी।कुछ ऊपर का सिलसिला भी हो जायेगा।फिर वे आगे का हुनर भी बतायेंगे-ऐसा करो पहले आप घुस आओ फिर ये जो साथ वाली मंडली है न,धीरे धीरे उन्हें भी चिपका लेना।आपका भटकना बचेगा।बढ़िया,दस से पांच की ड्यूटी करना।ज्यादा काम नहीं है वहां।बस,कभी कभार तू तू तू कर देना।

एक बार शादी समारोह में मिले।सामने स्टेज़ पर ग़ज़ल गायन चल रहा था।समां बंधा हुआ था।फ़ज़ा में फ़राज़ साहब की ग़ज़ल तैर रही थी-

'किस किस को बताएंगे जुदाई का सबब हम
तू मुझ से ख़फ़ा है तो ज़माने के लिए आ
.......ये आखिरी शमाएं भी बुझाने के लिए आ'

मैं ग़ज़ल में खोता जा रहा था। लेकिन यह क्या?आये भी तो वे आये।और सच में शमाएं बुझाने के लिए ही आये।आते ही बोले- चलो,उठो,नहीं तो,खाने पर भीड़ बढ़ जायेगी।पिछली बार नामदेव के यहां का याद है ना,बड़े बड़े सब गायब हो गये थे सिर्फ दही का पानी बचा था।और हां,सुनो,एजी स्लिप अपलोड हो गयी है कल।किसी से निकलवा लेना।उस समय लोन के समय जरूरत पड़ी थी तो कितनी दिक्कत आयी थी।मेरा सर भन्ना गया।खीर खाते खाते कंकर नहीं पूरा पत्थर ही मुंह में आ गया।नौकरी के प्रति उनका समर्पण अदभुत है।उनकी सम्पूर्ण चेतना नौकरी और नौकरी के लाभों के इर्द-गिर्द घूमती है।वे चौबीसों घंटे के नौकर हैं।बात चल रही थी कि गुलज़ारीलाल नंदा जी दो बार 13-13 दिन के लिए भारत के प्रधानमंत्री रहे।वे तुरंत बोले-फिर तो नंदाजी को 26 दिन की तनख्वाह प्रधानमंत्री वाली मिली होगी। उन्होंने अकाऊंट बाबू को साफ़ बोल दिया होगा- भैया,ये 26 दिन का बिल बढ़ाकर बनाना।उनकी बातचीत में उपमाएं भी नौकरी से ही आतीं हैं।एक दिन मैं सोचने लगा कि वे घर में पत्नी से क्या बातें करते होंगे?मुझे तो लगता है वे कहते होंगे तुम्हारी साड़ी और हमारे साहब की गाड़ी का कलर एक जैसा है।तुम्हारी पायल और हमारी फाइल एक जैसी हैं।सिर्फ बजती है,करती कुछ नहीं।उनके रोमांस में भी एडवांस का जिक्र आ जाता होगा।उनकी एज़ बढ़ रही है पर उन्हें रिटायरमेंट एज़ की चिंता है।वह बढ़ेगी कि नहीं?भविष्य के बजाय भविष्य निधि की बातें उन्हें ज्यादा मजा देती हैं।मान से ज्यादा वेतनमान लुभाता है।रिटायरमेंट के बाद भी वे विदा नहीं चाहते संविदा चाहते हैं।दुनिया की कोई भी चीज़ जो नौकरी से न जुड़ी हो उनके लिये बेकार है।अभी शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा पर गये थे।यदि यह बात निकल आये तो उनका इन्ट्रेस्ट बस इसी बात में रहेगा कि शुभांशु का टीए-डीए किस रेट से बना होगा?यार,वहां कौन सी रेट लगायी होगी?शायद अलग से नोटीफिकेशन निकला होगा।ये धरती वाली रेट थोड़े ही चलेगी वहां।मंदिर में भी मिलेंगे तो कहेंगे- यार,मंदिर जाने के लिए घंटा भर पहले आफिस छोड़ने की परमीशन होनी चाहिए।इसके लिए लिखापढ़ी क्यों नहीं करते तुम? मैंने सुना है,अरब देशों में नमाज के लिए छुट्टी मिलती है।कहो तो अरब का आर्डर जुगाड़कर दूं तुम्हें।जीविका,जीवन की किताब का सिर्फ एक चैप्टर है।किताब में और भी कई अच्छे अच्छे चैप्टर हैं।वे पन्ने उन्होंने कभी खोलकर भी नहीं देखे।

नॉलेज

दुर्लभ शिकारी पक्षियों की उम्मीद बन रहे हैं दक्षिण भारत के जंगल

तमिलनाडु में दुर्लभ और शिकारी पक्षियों को लेकर किए राज्य लेवल के सर्वे में एक अहम बात सामने आई है। यहां के जंगल अब दक्षिण भारत में 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' हो चुके गिद्धों के अंतिम ठिकानों में से एक बन चुके हैं। पक्षियों के इस नए सर्वेक्षण में शिकारी पक्षियों की 51 प्रजातियों और देश भर में संकट का सामना कर रहे दर्जनों अन्य दुर्लभ पक्षियों को रिकॉर्ड किया गया है।

आमतौर पर तमिलनाडु के वेटलैंड्स को सबसे ज्यादा चर्चा मिलती है लेकिन इसके जंगल चुपचाप भारत के दुर्लभतम पक्षियों को जीवनदान दे रहे हैं। दशकों से पक्षी प्रेमियों के बीच तमिलनाडु की पहचान इसके चमकते जलाशयों और दलदली इलाकों के कारण ही रही है, जहां हर साल सर्दियों में हजारों की संख्या में फ्लेमिंगो और पिनटेल पक्षी जमा होते हैं। सर्वेक्षण करने वालों ने सत्यमंगलम, मसिनागुड़ी, कोयंबटूर, हासनूर और उधगई (ऊटी) के जंगलों में गंभीर रूप से लुप्तप्राय गिद्धों की 3 प्रजातियों को रिकॉर्ड किया है। यह खोज बेहद मायने रखती है। 1990 के दशक में मवेशियों को दी जाने वाली दर्द निवारक दवा 'डाइक्लोफेनाक' की वजह से भारत के 90 प्रतिशत से अधिक गिद्ध मारे गए थे क्योंकि उन्होंने दवा वाले मृत मवेशियों का मांस खाया था। इसके बाद वे देश के अधिकांश हिस्सों से गायब हो गए।

नई रिपोर्ट यह नतीजा निकालती है कि नीलगिरि से लेकर पूर्वी घाट तक फैला यह सारा वन क्षेत्र अब पूरे दक्षिण भारत में गिद्धों के रहने योग्य अंतिम सुरक्षित ठिकानों में से एक है। अकेले 'व्हाइट-रंप्ड गिद्ध' को 39 बार देखा गया, जो कि देश के बाकी हिस्सों से गायब हो चुके पक्षी के लिए एक बेहद उत्साहजनक संकेत है। सीधा संदेश यही है कि भले ही तमिलनाडु की लोकप्रियता उसकी झीलों और लैगून के कारण हो लेकिन उसके जंगल, झाड़ियां और घास के मैदान दुर्लभतम पक्षियों को बचाने का असली काम कर रहे हैं। अगर हम इन प्राकृतिक क्षेत्रों को बचाते हैं तो हम उन शिकारियों को बचाएंगे जो पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखते हैं। अगर हमने इन्हें खो दिया तो गिद्ध जैसी प्रजातियां हमेशा के लिए इतिहास बन सकती हैं।

न्यूज विंडो

पुरुषोत्तम मास कथा का श्रवण करने के लिए उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गंजबासौदा। वेत्रवती घाट स्थित नौलखी तपोवन आश्रम में आयोजित पुरुषोत्तम मास कथा महोत्सव में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक डॉ. अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भक्ति, सत्संग और मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीवन को सफल बनाना है तो भगवान से जुड़ें, संसार से नहीं। संसार की सभी वस्तुएं नश्वर हैं, जबकि प्रभु का नाम और भक्ति ही शाश्वत है। कथावाचन के दौरान डॉ. शास्त्री ने पुरुषोत्तम मास की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि यह मास भगवान श्रीहरि विष्णु को

समर्पित है। इस अवधि में किया गया जप, तप, दान, व्रत, सत्संग और कथा श्रवण अनेक गुना फल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा पाने के लिए बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि स'ची श्रद्धा और निर्मल हृदय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में मानसिक अशांति का शिकार हो रहा है। ऐसे समय में सत्संग और कथा जीवन को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का माध्यम है, जो व्यक्ति को अपने संस्कारों, कर्तव्यों और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ती है। पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने बताया कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को धैर्य, विश्वास और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

नागरिकों को किया जा रहा शासन की योजनाओं से लाभांवित, दी जानकारी

नर्मदापुरम। नगरपालिका परिषद कार्यालय में सात दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नागरिकों की समस्याओं सुनकर उनका निराकरण किया जा रहा है। साथ ही शासन द्वारा संचालित योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाया जाएगा। इसकी शुरूआत हो गई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने शिविर का अधिक से अधिक प्रसार प्रचार करने के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। प्रभारी कार्यालय अधीक्षक हरिश गोस्वामी ने बताया कि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभांवित कराया जाएगा। शनिवार को आयोजित शिविर में समग्र आईडी, प्रधानमंत्री स्वनिधि, संबल कार्ड बनवाने हेतु आवेदन आए। जांच उपरांत जल्द ही आवेदकों को सूचना दी जाएगी। शिविर में जल शाखा से राखी चौकसे, श्रम शाखा से संदीप यादव, पर्वत पाल, सुनीता संतोरे, नंदा संतोरे, मंजू मालवीय, श्रम विभाग से दीप्ती दुबे, विजय, डे एनयूएलएम से दिव्या मिश्रा उपस्थित रहीं।

महिला कर्मचारी से गिफ्ट भेजने के नाम पर 3.91 लाख रुपए की ठगी

नर्मदापुरम। जिले में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जिसमें बुधनी स्थित ट्राइडेंट कंपनी की एक महिला कर्मचारी से 3 लाख 91 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। आरोपी ने स्वयं को यूनाइटेड किंगडम (यूके) का निवासी बताकर पहले महिला से ऑनलाइन दोस्ती की और फिर गिफ्ट भेजने के नाम पर अलग-अलग शुल्क वसूलते हुए लाखों रुपये ऐंठ लिए। पुलिस के अनुसार महिला नर्मदापुरम निवासी है और बुधनी की एक टेक्सटाइल कंपनी में कार्यरत है। करीब एक माह पूर्व उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से समीर अली नामक व्यक्ति से पहचान हुई। उसने खुद को ब्रिटेन के ब्रिस्टल शहर का निवासी बताया और बातचीत के दौरान महिला का विश्वास जीत लिया। कुछ दिनों बाद आरोपी ने महिला से कहा कि उसने उसके लिए यूके से महंगे गिफ्ट और नकदी भेजी है, जिसे भारत पहुंचने पर वह स्वयं आकर ले जाएगा। इसके बाद उसने महिला को बताया कि पार्सल भारत भेजने के लिए टैक्स और अन्य शुल्क जमा कराने होंगे। अगले दिन महिला के पास दूसरे मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हुए ट्रांसपोर्ट चार्ज, एनओसी और अन्य दस्तावेजों के नाम पर राशि जमा कराने को कहा। 2 जून से 7 जून के बीच महिला से विभिन्न क्यूआर कोड और यूपीआई खातों में अलग-अलग किश्तों में कुल 3.91 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। राशि जमा करने के बावजूद न तो कोई पार्सल मिला और न ही पैसे वापस किए गए। संदेह होने पर महिला ने एक एमपी ऑनलाइन सेंटर पर जानकारी ली, जहां उसे साइबर ठगी का शिकार होने की जानकारी मिली। इसके बाद उसने साइबर सेल नर्मदापुरम में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खिलाड़ियों की सुविधाओं के लिए खेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के पूर्व नपाध्यक्ष डॉ. अखिलेश खंडेलवाल ने मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग को नगर आगमन पर पत्र देकर नर्मदापुरम एवं इटारसी के हॉकी खिलाड़ियों के लिए बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। डॉ. खंडेलवाल ने बताया कि नर्मदापुरम हॉकी टर्फ ग्राउंड पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी नियमित अभ्यास करते हैं, लेकिन आवश्यक सुविधाओं के अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों के हित में पांच प्रमुख मांगें रखीं। मांगों में नर्मदापुरम हॉकी टर्फ ग्राउंड पर फ्लड लाइट स्थापना प्रमुख है, ताकि खिलाड़ी शाम एवं रात्रि के समय भी अभ्यास कर सकें। उन्होंने उल्लेख किया कि यह कार्य पूर्व में स्वीकृत योजना में भी शामिल रहा है। इसके अलावा दर्शकों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों के लिए छायादार बैठक व्यवस्था बनाने, खिलाड़ियों के अभ्यास हेतु पेनाल्टी कॉर्नर प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने तथा हॉकी टर्फ ग्राउंड की सुरक्षा एवं रखरखाव के लिए स्थायी चौकीदार नियुक्त करने की मांग की गई है। डॉ. खंडेलवाल ने पत्र में यह भी आग्रह किया कि इटारसी में सर्वसुविधायुक्त हॉकी टर्फ ग्राउंड की स्थापना की जाए, जिससे वहां के खिलाड़ियों को भी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं अभ्यास का अवसर मिल सके।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित

मप्र में भी लागू होगी समान नागरिक संहिता, आम नागरिकों से मांगे सुझाव

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में सरकार ने प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में समान नागरिक संहिता के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समिति सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता बुधपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न धर्मों के अनुयायियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों से यूसीसी के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए बुधपाल सिंह ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-44 में पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का उल्लेख है। वर्तमान में विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे पारिवारिक मामलों में अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं। ऐसे में एक समरूप, संतुलित और व्यवहारिक कानून की आवश्यकता महसूस की जा रही है, जिससे नागरिकों के बीच समानता, न्याय और कानूनी स्पष्टता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धर्म और जाति से परे सभी नागरिकों के लिए पारिवारिक मामलों में एक समान कानून लागू करना है। उत्तराखंड में यूसीसी लागू हो चुकी है, जबकि गुजरात और असम ने भी इस दिशा में पहल की है। मध्य प्रदेश सरकार भी इसे लागू करने से पहले समाज के सभी वर्गों से सुझाव और राय ले रही है। समिति सदस्य ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। नागरिक अपने सुझाव यूसीसी पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। सुझाव देने वाले व्यक्तियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा पक्ष और विपक्ष दोनों में सुझाव स्वीकार किए जाएंगे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि समान नागरिक संहिता पर आमजन के विचार जानने के लिए 12 बिंदुओं पर फीडबैक लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं भी एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपना फीडबैक दर्ज कराया है। कलेक्टर ने लोगों से 22 जून तक अपने सुझाव अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड करने की अपील की। बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह सहित विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा, प्रीति शुक्ला, पुलिस अधीक्षक साइ कृष्ण एस. थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर ब्रजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबिता राठौर सहित विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, प्रतिनिधि, समाजसेवी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

तालाब में नहाने गईं दो बहनों की डूबने से मौत

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बहोरीबंद तहसील में आने वाले बाकल थाना इलाके के अंतर्गत ग्राम मढिया में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में दो सगी बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। दोपहर में नहाने के लिए घर से निकली दोनों किशोरियां जब देर शाम तक घर वापस नहीं लौटीं तो परिजन ने उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद पुलिस और ग्रामीणों की मदद से दोनों को तालाब से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एक ही परिवार की दो बेटियों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम मढिया निवासी निधि लोधी (17) और उसकी छोटी बहन नेहा लोधी (14) शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गांव के बलराम तालाब में नहाने के लिए गई थीं। दोनों बहनें घर से सामान्य रूप से निकली थीं, लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी जब वे वापस नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता होने लगी। परिजनों ने पहले आसपास और रिश्तेदारों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिवार के सदस्य तालाब पहुंचे, जहां दोनों का कोई पता नहीं चल सका। अनहोनी की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही बाकल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तालाब में खोजबीन शुरू कराई। कई घंटों तक चले सर्च अभियान के दौरान दोनों बहनों को तालाब के अंदर से बाहर निकाला गया। दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौत की पुष्टि होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

ट्रेन में सीट को लेकर हुए विवाद ने ली युवक की जान फरार आरोपियों को पुलिस ने तमिलनाडु से दबोचा

बैतूल। दोपहर मेट्रो

ट्रेन यात्रा के दौरान हुए मामूली विवाद ने एक युवक की जान ले ली। बोरदेही रेलवे स्टेशन पर हुई इस सनसनीखेज घटना के मामले में जीआरपी आमला ने फरार चल रहे तीन आरोपियों को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। मामले में एक नाबालिग को भी अभिरक्षा में लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश अभी जारी है। जानकारी के अनुसार, छिंदवाड़ा जिले के परतला निवासी 25 वर्षीय अली खान अपने साथियों के साथ पेंचवेली एक्सप्रेस से भोपाल की ओर यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान परासिया स्टेशन के पास सीट को लेकर उसका एक युवक से विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उस समय मामला शांत हो गया था, लेकिन बाद में यह विवाद जानलेवा साबित हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रेन के बोरदेही स्टेशन पहुंचने पर विवाद से जुड़े कुछ लोगों ने अली खान को ट्रेन से नीचे उतार लिया। इसके बाद उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की गई। गंभीर चोट लगने से उसकी हालत बिगड़ गई और बाद में उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी आमला ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान की। प्रारंभिक कार्रवाई में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अन्य फरार चल रहे थे। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस ने साइबर सेल और तकनीकी टीम की मदद ली। जांच के दौरान पता चला कि तीन आरोपी तमिलनाडु के डिंडीगुल क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कमलेश उईके उर्फ बाबा रामदेव, अंकुश कोराई तथा एक नाबालिग को पकड़ लिया। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल डंडे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, मामले के मुख्य आरोपी सागर की तलाश लगातार जारी है। जीआरपी अधिकारियों के अनुसार, हत्या जैसे गंभीर अपराध में शामिल सभी आरोपियों को कानून के दायरे में लाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में जीआरपी आमला, साइबर सेल और कंट्रोल रूम की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जंगल में चल रही थी कोरेक्स की सौदेबाजी, चार को दबोचा

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के पाली थाना अंतर्गत घुनघुटी चौकी पुलिस ने नशीली कफ सिरप के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किरिया काड़ी के जंगल में चल रही कथित कोरेक्स की खरीद-फरोख्त का भंडाफोड़ करते हुए मौके से 120 बोतल कोरेक्स सिरप बरामद की है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घुनघुटी चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि किरिया काड़ी के जंगल क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से नशीली कफ सिरप की खरीद-फरोख्त करने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी विजय सेन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी। बताया जाता है कि जंगल के सुनसान इलाके में एक ऑटो और एक कार के बीच

कोरेक्स सिरप की लेन-देन चल रही थी। पुलिस टीम को देखकर आरोपियों में भगदड़ मच गई, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 120 बोतल प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप बरामद की गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मानपुर क्षेत्र के आरोपी छत्तीसगढ़ के एक व्यक्ति को कोरेक्स सिरप बेचने की तैयारी में थे। हालांकि इस अवैध कारोबार का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच अभी जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में सूरज सिंह चंदेल निवासी मानपुर, अनिकेत विश्वकर्मा निवासी गोपहरू जिला शहडोल, अरुण कुशवाह निवासी नौरोजाबाद तथा भोलू पटेल निवासी बिलासपुर, छत्तीसगढ़ शामिल हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके आपराधिक रिकॉर्ड के साथ-साथ नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन की भी पड़ताल की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि कोरेक्स सिरप का उपयोग लंबे समय से नशे के रूप में किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में पुलिस की यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बरामद सिरप की बाजार कीमत और उसके स्रोत की भी जांच की जा रही है।

गेहूं खरीदी में मिलावट को लेकर सहायक आपूर्ति अधिकारी निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में गेहूं खरीदी में बड़ी गड़बड़ी और लापरवाही का मामला सामने आने के बाद सरकार ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। गंभीरिया स्थित एक वेयरहाउस में गेहूं की बोरियों में भारी मात्रा में मिट्टी मिलाए जाने की पुष्टि होने पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बड़ी कार्रवाई की है। मंत्री के निर्देश पर कलेक्टर ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर तत्काल गाज गिरा दी है। मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर सहायक आपूर्ति अधिकारी निशांत पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया है। वहीं, जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति बघेल को सागर जिले के प्रभार से हटाकर भोपाल मुख्यालय अटैच करने के आदेश जारी किए गए हैं। यह पूरा मामला गंभीरिया के लक्ष्मी नगर स्थित देव प्रभाकर हाउस (वेयरहाउस) का है। यहां उपार्जन के दौरान गेहूं की बोरियों में भारी मात्रा में मिट्टी मिलाने की शिकायत मिली थी। प्रशासनिक जांच में प्रारंभिक तौर पर ही बोरियों में गेहूं के स्थान पर अत्यधिक मिट्टी पाए जाने की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने संबंधित स्व-सहायता समूह के पदाधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर (प्रकरण) दर्ज करा दी है।

मेट्रो एंकर

एक्स-रे में दिखी गोली, 17 दिन बाद ऑपरेशन कर निकाली

परिक्रमा में महिला के पैर में लगी गोली, कंकड़ समझकर बांधती रही पट्टी

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला के पैर में गोली लग गई, हैरानी की बात ये है कि महिला गोली को कंकड़ समझती रही। महिला इस उम्मीद में घर पर ही घाव पर कपड़े की पट्टी बांधकर मरहम-पट्टी करती रही कि समय के साथ घाव भर जाएगा। 15 दिन बाद भी जब घाव नहीं भरा तो वो डॉक्टर के पास पहुंची और एक्स-रे कराने पर पता चला कि पैर में गोली लगी है। 17वें दिन ऑपरेशन कर महिला के पैर से गोली को निकाला गया है।

शहर थाना टीआइ शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि पड़ोसी जिला गुना के चांचौड़ा के खातोली गांव की भूरिया बाई पत्नी मिश्रीलाल लोधा 75 साल अपने परिजनों व अन्य ग्रामीणों के समूह के साथ बीती 26 मई को मथुरा- वृंदावन की यात्रा करने गई थी। जहां 27 मई को एकादशी के मौके पर वह अपने

परिजनों के साथ 84 कोस की परिक्रमा कर रही थी। तभी महोली गांव में एक भंडारे को लेकर दो पक्षों में उपजे विवाद के दौरान हुई क्रॉस फायरिंग के समय उक्त वृद्धा वहां से गुजर रही थी। इसी फायरिंग में भूरिया बाई के बाएं पैर में एक गोली लग गई थी।

महिला भूरिया बाई ने पुलिस को बताया कि उसे ऐसा लगा कि पैर में कुछ चुभा है। उसने सोचा कोई कंकड़ चुभ गया होगा, पैर से खून निकल रहा था तो एक कपड़ा बांधा और अपनी परिक्रमा पूरी की। परिक्रमा पूरी कर वो वापस अपने गांव लौट आई। 15 दिनों तक वो घाव भरने का इंतजार करते हुए घर पर ही कपड़ा बांधकर मरहम-पट्टी करती रही। दिन गुजरते गए लेकिन घाव नहीं भरा और दर्द बढ़ता गया तो स्थानीय डॉक्टर के पास पहुंची। डॉक्टर ने एक्स-रे कराया तो पैर में गोली लगी होने का पता चला। इसके बाद राजगढ़ रोड स्थित एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन कर पैर से गोली निकाली गई। शहर थाना टीआइ शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि महिला भूरिया बाई के बयान दर्ज किए गए हैं और क्योंकि घटना मथुरा की है इसलिए प्री एमएलसी बनाकर महोली पुलिस को भेजी है। अब आगे की जांच महोली थाना पुलिस के द्वारा की जाएगी।

जामुन की बहार... स्वास्थ्य के लिए लाभकारी फल की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों जामुन की फसल आना शुरू हो गई है। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही जामुन के वृक्ष फलों से लद गए हैं। नदी, नालों एवं जल स्रोतों के किनारे स्थित जामुन के पेड़ों पर पककर तैयार हुए फलों को देखने के लिए लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों रत्नेश जैन ,राजकुमार ठाकुर का कहना है कि इस वर्ष जामुन की अच्छी पैदावार आने की उम्मीद जताई गई, जिससे बाजारों में भी इसकी पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। जामुन अपने स्वाद के साथ-साथ औषधीय गुणों के लिए भी

प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में इसे अनेक रोगों के लिए लाभकारी माना गया है। विशेष रूप से मधुमेह (डायबिटीज) के रोगियों के लिए जामुन की गुठली का चूर्ण काफी उपयोगी माना जाता है। क्षेत्र के कई लोग जामुन की गुठलियों को सुखाकर उनका चूर्ण तैयार करते हैं और उसका नियमित सेवन करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह पारंपरिक घरेलू उपचार वर्षों से अपनाया जाता रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जामुन का सेवन पाचन तंत्र के लिए भी अत्यंत लाभदायक होता है। गर्मी और उमस के मौसम में जामुन खाने से पेट की विभिन्न समस्याओं में राहत मिलती है तथा हाजमा दुरुस्त रहता है। इसके अलावा यह शरीर को ताजगी प्रदान करने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है। नगर एवं क्षेत्र के बाजारों में इन दिनों जामुन की बिक्री बढ़ गई है। सुबह से ही फल विक्रेताओं की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी जा रही है। बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सभी इस मौसमी फल का स्वाद लेने के लिए उत्साहित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में जामुन नगर के बाजारों में पहुंच रही है, जिससे किसानों एवं संग्रहकर्ताओं को भी अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। प्राकृतिक रूप से उपलब्ध यह मौसमी फल न केवल स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम के अनुसार उपलब्ध फलों का सेवन शरीर के लिए लाभकारी होता है। ऐसे में जामुन की आमद से क्षेत्रवासियों को स्वाद और स्वास्थ्य दोनों का लाभ मिल रहा है।

न्यूज विंडो

करोड़ों की निवेश ठगी का आरोप, GNS फाइनेंशियल सर्विसेज पर उठे सवाल

शहडोल/बुढ़ार। शहडोल जिले के बुढ़ार क्षेत्र में संचालित एक वित्तीय कंपनी पर निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी का आरोप लगने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने अधिक ब्याज और आकर्षक रिटर्न का लालच देकर बड़ी संख्या में लोगों से धन निवेश कराया, लेकिन अब न तो निवेश की मूल राशि वापस मिल रही है और न ही वादा किया गया ब्याज। निवेशकों द्वारा पुलिस एवं प्रशासन को कई शिकायतें सौंपे जाने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने कंपनी के खिलाफ दस्तावेजों सहित शिकायतें दी हैं, लेकिन कार्रवाई में देरी से उनके धैर्य का बांध टूट रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार कंपनी ने क्षेत्र में निवेश योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया था। शुरुआत में कुछ निवेशकों को समय पर भुगतान भी मिला, जिससे लोगों का भरोसा बढ़ा और बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी जमा पूंजी निवेश कर दी। बाद में भुगतान रुकने लगा और निवेशकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। मामले में पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायतों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं निवेशकों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं होने से कंपनी प्रबंधन को राहत मिल रही है।

शिक्षक का समर्पण ही विद्यार्थियों की सफलता की नींव : कुशवाह

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जिले के समस्त हायर सेकेंडरी विद्यालयों में पदस्थ भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए 11 जून से 13 जून 2026 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेहरू नरसिंहपुर में आयोजित तीन दिवसीय सीमेट प्रशिक्षण का जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा द्वारा अवलोकन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने विज्ञान विषय के शिक्षकों को विद्यालयों में प्रायोगिक प्रयोगशालाओं के प्रभावी संचालन एवं विद्यार्थियों को नियमित प्रयोग अभ्यास कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान विषय को प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को प्रयोगों के माध्यम से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। शिक्षक विद्यालयों में उपलब्ध प्रयोगशालाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें तथा छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास करें। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि शिक्षक का सम्मान बच्चों से होता है, जो जीवनभर बना रहता है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को अपने शिक्षण कार्य को पूर्ण मनोयोग, जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करना चाहिए। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, प्राचार्य सुश्री प्रीति नेमा, विषय विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनर एवं जिले के विज्ञान विषय के शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में विज्ञान शिक्षण को प्रभावी बनाने, प्रयोगात्मक गतिविधियों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

नगर निगम में आयोजित हुआ जिला स्तरीय लोक कल्याण मेला

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने आगे आएं पात्र हितग्राही: विधायक

पीएम स्वनिधि योजना ने बदली पथ विक्रेताओं की जिंदगी: महापौर

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिकाधिक हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम द्वारा नगर निगम कार्यालय में एक दिवसीय जिला स्तरीय लोक कल्याण मेला आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई एलआईसी बीमा सखी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पात्र नागरिकों से प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन कर लाभ लेने की अपील की. महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली ऐतिहासिक योजना है। इस योजना के माध्यम से बिना जमानत के ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे हजारों परिवार आत्मनिर्भर बने हैं। भाजपा

जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने कहा कि जन-हितकारी योजनाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। लोक कल्याण मेला शासन की विभिन्न योजनाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का प्रभावी प्रयास है। निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने कहा कि पथ विक्रेता शहर की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पीएम स्वनिधि योजना उन्हें स्वरोजगार और व्यवसाय विस्तार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बना रही है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने बताया कि नगर निगम द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण के ऋण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मेले में विभिन्न बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृत एवं अन्य योजनाओं के लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया संचालित की गई। लोक कल्याण मेले में स्वसहायता समूहों एवं पथ विक्रेताओं द्वारा तैयार उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉल लगाए गए थे।

हितग्राही हुए लाभान्वित

मेले में रीना सैनी को पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत क्रेडिट कार्ड, मुन्नालाल अक्षय लोधी को पीएम स्वनिधि योजना के तृतीय चरण का लाभ तथा शिवानी दुबे, लक्ष्मी रैकवार सहित अन्य हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की कार्रवाई की गई। कार्यक्रम का संचालन रामू ठेकेदार ने किया तथा आभार प्रदर्शन एनयूएलएम सिटी मैनेजर विक्रम जैन ने किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य धर्मेंद्र खटीक,मेघा दुबे, शैलेंद्र ठाकुर,याकृति जड़िया,पराग बजाज,संध्या भार्गव,सुषमा यादव,राहुल वैद्य,नितीन सोनी,बैंक अधिकारी, स्वसहायता समूहों की महिलाएं, हितग्राही एवं नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

टक्कर से महिला की मौत, बाइक सवार घायल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कनाडी खुर्द गांव में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क किनारे पैदल जा रही एक महिला को तेज गति से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बाइक चालक भी चोटिल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला की पहचान धनकी बसोर (40 वर्ष) निवासी करकी के रूप में हुई है। बताया गया कि महिला सड़क किनारे पैदल जा रही थी, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं बाइक सवार युवक भी दुर्घटना में घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बाइक सवार युवक का उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। जिले में आए दिन दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है, लेकिन यातायात नियमों का प्रभावी पालन नहीं कराया जा रहा। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जबकि कई चार पहिया वाहन चालक भी सीट बेल्ट का उपयोग नहीं कर रहे। वहीं शहडोल-बुढार राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों और यातायात अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए संबंधित विभाग पर्याप्त कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

नर्मदा उद्गम-कपिलधारा मार्ग

एक वर्ष बाद भी अधूरा विकास, श्रावण से पूर्व श्रद्धालुओं की बढ़ी चिंता

अमरकंटक/अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा की पावन जन्मस्थली अमरकंटक में नर्मदा उद्गम कुंड से कपिलधारा तक प्रस्तावित सड़क के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों तथा व्यापारियों में निराशा व्याप्त है। जून 2025 में मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा इस मार्ग के उन्नयन को स्वीकृति प्रदान करते हुए आश्वासन दिया गया था कि आगामी छह माह के भीतर यह मार्ग आधुनिक सुविधाओं से युक्त होकर श्रद्धालुओं के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। किंतु एक वर्ष व्यतीत होने के पश्चात भी कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका है और मार्ग का बड़ा हिस्सा अब भी अव्यवस्थित बना हुआ है।

घोषणा के समय कहा गया था कि नर्मदा उद्गम कुंड से कपिलधारा तक जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा तथा मार्ग में यात्रियों के विश्राम हेतु प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, पुस्तक विक्रय केंद्र, बैठने की सुविधाएँ, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएँ विकसित की जाएँगी। इस परियोजना का उद्देश्य अमरकंटक आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना था। किन्तु वर्तमान स्थिति में मार्ग के अनेक हिस्सों में निर्माण कार्य अधूरा दिखाई देता है। कहीं सड़क उखड़ी हुई है तो कहीं निर्माण सामग्री बिखरी पड़ी है। कई स्थानों पर पैदल यात्रियों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

आगामी एक माह पश्चात श्रावण मास प्रारंभ होने जा रहा है। इस अवधि में अमरकंटक में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दुग्धधारा तथा अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु पहुँचते हैं। विशेष रूप से सोमवार, अमावस्या तथा पर्व तिथियों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। यदि मार्ग की वर्तमान स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो श्रद्धालुओं को धूल, कीचड़, अव्यवस्थित यातायात तथा सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा

श्रद्धालुओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि श्रावण मास प्रारंभ होने से पूर्व निर्माण कार्यों की समीक्षा कर अधूरे कार्यों को युद्धस्तर पर पूर्ण कराया जाए। साथ ही मार्ग पर अस्थायी पेयजल व्यवस्था, विश्राम स्थल, स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आस्था के मार्ग को चाहिए प्राथमिकता

मां नर्मदा के उद्गम स्थल से कपिलधारा तक का यह मार्ग केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। श्रावण मास के आगमन से पूर्व यदि निर्माण कार्यों को गति नहीं मिली, तो हजारों श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अब सभी की निगाहें शासन और लोक निर्माण विभाग पर टिकी हैं कि वे अपने वादों को धरातल पर कब तक उतारते हैं और इस महत्वपूर्ण धार्मिक मार्ग को कब पूर्ण रूप से श्रद्धालुओं के लिए समर्पित करते हैं।

मेट्रो एंकर

दमोह वन मंडल में पांचवीं शहरी रोपणी की शुरुआत

प्रतिवर्ष 10 लाख पौधों के उत्पादन का लक्ष्य

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वनों के संरक्षण, हरित आवरण के विस्तार तथा पौधों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दमोह वन मंडल द्वारा एक नई शहरी रोपणी की स्थापना की गई है। नगर से लगभग दो किलोमीटर दूर इमलीडोल, खकरिया मार्ग स्थित वन भूमि पर इस पांचवीं रोपणी का कार्य प्रारंभ हो गया है। यह रोपणी भविष्य में क्षेत्र की पौध आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी।

अब तक दमोह वन मंडल के अंतर्गत चार नर्सरियां संचालित हो रही थीं, जहां पौधों के संरक्षण एवं विस्तार के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं रह गया था। इसी आवश्यकता को देखते हुए पांचवीं रोपणी स्थापित करने का निर्णय लिया गया। वन विभाग के अनुसार गुणवत्तायुक्त पौध तैयार करने के लिए सभी पौधों को एक ही स्थान पर रखने के बजाय विभिन्न स्थानों पर रोपण एवं संवर्धन की व्यवस्था आवश्यक होती है। खकरिया

मार्ग स्थित इस स्थान का चयन विशेष रूप से वहां उपलब्ध अनुकूल प्राकृतिक वातावरण एवं जल की पर्याप्त उपलब्धता को ध्यान में रखकर किया गया है। निकट स्थित तालाब से सिंचाई की समुचित व्यवस्था होने के कारण यह क्षेत्र पौध उत्पादन के लिए उपयुक्त पाया गया। रोपणी के पूर्ण रूप से विकसित होने पर यहां से प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख पौधों का उत्पादन एवं वितरण किया जा सकेगा। वर्तमान में रोपणी में सागौन पौध उत्पादन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए 1400 बेड तैयार किए जा रहे हैं, जिनसे लगभग 8 लाख 40 हजार सागौन पौधे प्राप्त होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त आगामी समय में अन्य प्रजातियों के पौधों का उत्पादन भी शुरू किया जाएगा। विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार पौध उत्पादन की क्षमता को क्रमशः बढ़ाया जाएगा। रोपणी के निर्माण एवं प्रारंभिक विकास कार्यों पर अब तक लगभग 40 लाख रुपये व्यय किए जा चुके हैं। इस परियोजना के प्रारंभ होने से क्षेत्र के लगभग 100 लोगों को प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सामाजिक वानिकी अधिकारी रेंजर दीपेश जैन इकाई दमोह का मानना है कि यह नई शहरी रोपणी न केवल पौध उत्पादन की बढ़ती मांग को पूरा करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र विस्तार और स्थानीय रोजगार सृजन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

सैकड़ों लीजधारकों को मिलेगा बड़ा लाभ

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लीज भूमि को फ्री-होल्ड में परिवर्तित करने के संबंध में लिए गए नए निर्णय से अमरकंटक क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों और संपत्ति धारकों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। नगर निकायों की 30 वर्ष पुरानी लीज वाली जमीनों को अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत फ्री-होल्ड किया जा सकेगा, जिससे संबंधित लोगों को अपनी संपत्ति पर स्थायी मालिकाना हक प्राप्त होगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद लीजधारक अपनी संपत्ति का क्रय-विक्रय, हस्तांतरण और बैंक ऋण जैसी सुविधाओं का आसानी से लाभ उठा सकेंगे। अमरकंटक नगर परिषद क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं जो वर्षों से लीज भूमि पर निवास कर रहे हैं और मालिकाना हक की मांग करते रहे हैं। सरकार के इस फैसले से उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की उम्मीद जगी है। हालांकि नए नियमों के तहत फ्री-होल्ड कराने के लिए शुल्क में वृद्धि की गई है। आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों के लिए निर्धारित प्रीमियम राशि पहले की तुलना में अधिक देनी होगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026: हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले जेमिमा रोड्रिग्स का बड़ा बयान

दबाव है लेकिन तैयारी मजबूत, पाकिस्तान से हार मंजूर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत आज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की शुरुआत के लिहाज से अहम है, बल्कि भारत-पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता के कारण भी सुर्खियों में है। दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच हमेशा से रोमांच और भावनाओं से भरे रहे हैं, और फैंस इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार करते हैं। भारतीय महिला टीम की मध्यक्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले अपनी भावनाएं और अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि टीम किसी भी विपक्षी से हार स्वीकार कर सकती है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में हार का दबाव और भावना बिल्कुल अलग होती है।

वॉचमैन तक कहता है—पाकिस्तान से नहीं हारना- जेमिमा रोड्रिग्स ने जियोस्टार से बातचीत में बताया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह खिलाड़ियों के जीवन के हर पहलू में महसूस किया जाता है। उन्होंने अपने पहले भारत-पाकिस्तान मैच को याद करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम को स्पष्ट संदेश दिया था कि इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए कहा कि यहां तक कि उनके बिल्डिंग का वॉचमैन भी कहता है—÷किसी से भी हारो, लेकिन पाकिस्तान से नहीं।÷ यह बात दर्शाती है कि इस मुकाबले से जुड़ी भावनाएं देशभर में कितनी गहरी हैं और खिलाड़ियों पर कितना मानसिक दबाव रहता है।

विश्व कप ट्रॉफी पर टीम का पूरा फोकस- जेमिमा ने आगे बताया कि भारतीय टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतना है। उनके अनुसार, टीम का ध्यान केवल एक मैच या एक सीरीज पर नहीं, बल्कि लंबे समय के लक्ष्य पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि टीम में यह सोच लगातार बनी रहती है कि विश्व कप जीतने की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जाए। खिलाड़ी इस लक्ष्य को अपनी दिनचर्या का हिस्सा मानते हैं। जेमिमा ने यह भी कहा कि जब कोई खिलाड़ी किसी लक्ष्य पर लगातार ध्यान देता है, तो उसका प्रभाव प्रदर्शन में दिखने लगता है।

दबाव में खेलने के लिए खास तैयारी जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम की तैयारी प्रक्रिया पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम हर मैच के लिए अलग रणनीति अपनाती है और अभ्यास सत्रों में खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों में रखा जाता है ताकि वे वास्तविक मैच जैसी स्थितियों के लिए तैयार हो सकें। उनके अनुसार, दबाव में अच्छा प्रदर्शन करना केवल कहने से नहीं होता, बल्कि इसके लिए अभ्यास में भी उसी तरह की परिस्थितियां बनानी पड़ती हैं। टीम लगातार ऐसे सेशन करती है जहां खिलाड़ियों को कठिन हालात में खेलने का अनुभव मिलता है।

हार से सीखकर मजबूत वापसी का भरोसा

जेमिमा ने स्वीकार किया कि हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन उन्होंने इसे सीखने का अवसर बताया। उनके अनुसार, हार कभी-कभी खिलाड़ियों को जीत से ज्यादा सिखाती है और यही अनुभव आगे बेहतर प्रदर्शन में मदद करता है। उन्होंने कहा कि टीम ने अपनी पिछली गलतियों का विश्लेषण किया है और उन पर काम किया है। खिलाड़ियों ने उन अनुभवों से सीख लेते हुए अपनी तैयारी को और मजबूत बनाया है।

आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम

अंत में जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि भारतीय टीम इस समय आत्मविश्वास से भरी हुई है और सभी खिलाड़ी बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका मानना है कि सही तैयारी, मानसिक मजबूती और लगातार सीखने की प्रक्रिया ही टीम को विश्व कप में सफलता दिला सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप: मोरक्को ने 5 टाइम चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोका

साइबारी-विनिसियस ने गोल दागे, 1934 के बाद से ओपनिंग मैच नहीं हारा ब्राजील

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी

दुनिया की 7वें नंबर की टीम मोरक्को ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में 5 बार की चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोक दिया है। ब्राजील की टीम ने 1934 के बाद से अपना ओपनिंग मैच नहीं हारी है। ग्रुप-सी के इस मुकाबले में 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को ने इस्माइल साइबारी के गोल से पहले बढ़त बनाई, लेकिन स्टार फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर के शानदार गोल की बदौलत ब्राजील ने वापसी करते हुए एक अंक हासिल कर लिया।

इस मैच के बाद मोरक्को ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है, जबकि ब्राजील दूसरे स्थान पर है। अब ब्राजील अपना अगला मुकाबला शुक्रवार को हैती के खिलाफ फिलाडेल्फिया में खेलेगा, जबकि मोरक्को की टीम स्कॉटलैंड से भिड़ेगी।

यह पहली बार है, जब विनिसियस जूनियर ने ब्राजील के लिए गोल किया और टीम जीत नहीं सकी है। इससे पहले विनिसियस ने आठ मैचों में ब्राजील के लिए गोल दागे, उन सभी में टीम को जीत मिली। ब्राजील ने वर्ल्ड कप के पहले मैचों में अपना 21 मैचों का अपराजित क्रम बरकरार रखा। ब्राजील आखिरी बार 1934 में स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप का पहला मैच हारा था। इस दौरान उसने 17 जीत दर्ज की हैं। ब्राजील ने 11 मिनट बाद जवाब दिया। 32वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने ब्रूनो गिमारेस के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाया। बाएं फ्लैंक से अंदर की ओर बढ़ते हुए उन्होंने जोरदार राइट फुट शॉट लगाया, जो मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू को छकाते हुए गोल में चला गया। यह विनिसियस के इंटरनेशनल करियर का 10वां गोल है। ब्राजील 2002 में पिछली बार चैंपियन बना था ब्राजील इस वर्ल्ड कप में 2002 के बाद पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरा है, हालांकि टीम को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली, जो पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और इस मुकाबले में नहीं खेले।

साइबारी के गोल से मोरक्को को बढ़त मिली

मोरक्को ने अटैकिंग शुरुआत की और 21वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। नुसैर मजराउई ने ब्राजील के मिडफील्डर लुकास पाकेटा से गेंद छिनने के बाद ब्राहिम डियाज को पास दिया। फिर डियाज की शानदार थ्रू बॉल पर इस्माइल साइबारी ने दौड़ लगाई और गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से गेंद चिप करते हुए गोल दाग दिया।

रेफरी ने 10 मिनट का इंजरी टाइम दिया

निर्धारित 90 मिनट पूरे होने के बाद रेफरी ने 10 मिनट का इंजरी टाइम दिया। इस दौरान ब्राजील ने अधिक खिलाड़ियों को आगे भेजकर निर्णायक गोल की तलाश की, लेकिन मोरक्को ने संयमित खेल दिखाते हुए हर हमले को नाकाम कर दिया। दूसरी ओर, मोरक्को भी गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहा और ब्राजील को लगातार परेशान करता रहा। आखिरकार अतिरिक्त समय समाप्त होने के साथ ही मैच 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ।

वर्षा बाधित मैच में अफगानिस्तान ने दिया था 195 रनों का लक्ष्य

शुभमन गिल की एक ना और खत्म हो गई रोहित शर्मा की पारी, गुस्से में लौटे हिटमैन

धर्मशाला, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को धर्मशाला में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऐसा पल देखने को मिला, जिसने करोड़ों भारतीय फैन्स को निराश कर दिया। शानदार लय में दिख रहे रोहित शर्मा कप्तान शुभमन गिल के साथ गलतफहमी का शिकार हुए और रन आउट होकर पवेलियन लौट गए।

बारिश से प्रभावित 25-25 ओवर के मुकाबले में भारत को 195 रनों का लक्ष्य मिला था। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने टीम को सधी हुई शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाज आसानी से रन बना रहे थे और अफगानी गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा रहे थे। भारत की पारी के छठे ओवर में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। युवा स्पिनर अल्लाह गजनफर की गेंद को रोहित शर्मा ने मिडविकेट की ओर खेला और तेजी से सिंगल के लिए दौड़ पड़े। शुभमन गिल ने भी शुरुआत में रन लेने की हामी भरी, लेकिन कुछ कदम आगे बढ़ने के बाद अचानक रोहित को वापस भेज दिया। तब तक रोहित काफी आगे निकल चुके थे और उनके पास लौटने का बहुत कम समय बचा था।

रोहित के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ यह मुकाबला

रोहित शर्मा भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन यह मुकाबला उनके लिए ऐतिहासिक साबित हुआ. 39 साल और 44 दिन की उम्र में मैदान पर उतरते ही वह भारत के लिए वनडे इंटरनेशनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए, उन्होंने 1983 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे मोहिंदर अमरनाथ का लगभग 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. मोहिंदर अमरनाथ ने 1989 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला खेला था. इस मैच में रोहित शर्मा ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की. वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ओपनर के तौर पर भारतीय टीम के लिए 16000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज भी बने.

रोहित शर्मा ने पूरी ताकत लगाकर क्रीज में लौटने की कोशिश की, लेकिन अफगानिस्तान ने कोई गलती नहीं की। राशिद खान ने फुर्ती दिखाते हुए गेंद विकेटकीपर तक पहुंचाई और गिल्लियां बिखेर दीं। थर्ड अंपायर ने फैसले की समीक्षा की, लेकिन रोहित को पता था कि वह आउट हैं। यही वजह रही कि रिप्ले आने से पहले ही उन्होंने पवेलियन की राह पकड़ ली।

रोहित पवेलियन लौटते समय थोड़े नाराज भी दिखे। 16 रन बनाकर आउट हुए रोहित शर्मा की निराशा उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। दूसरी ओर कप्तान शुभमन गिल भी खुद से नाराज नजर आए। आसान रन लेने की कोशिश में भारत ने एक सेट बल्लेबाज का विकेट गंवा दिया, जिससे अफगानिस्तान को मुकाबले में वापसी का थोड़ा मौका मिला।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सख्त परवरिश ने सीमित किया दायरा, पूनम ढिल्लो ने साझा किए जीवन के अनकहे पहलू

अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने अभिनेता राजीव खंडेलवाल के शो 'तुम हो ना' में अपने निजी जीवन, सख्त परवरिश और वैवाहिक अनुभवों को लेकर खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि एक सार्वजनिक हस्ती होने के बावजूद उनकी जिंदगी में कई ऐसी चुनौतियां रहीं, जिनके बारे में लोग अक्सर नहीं जानते।

पूनम ने कहा कि फिल्मी दुनिया में काम करने के कारण उनके लिए सामान्य सामाजिक जीवन जीना आसान नहीं था। लोगों के मन में

सितारों को लेकर पहले से बनी धारणाओं के चलते उनसे सहज संबंध बनाना मुश्किल हो जाता था। उन्होंने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण नए लोगों से मिलने-जुलने के अवसर भी बेहद सीमित थे, जिससे उनका सामाजिक दायरा काफी छोटा रह गया। अभिनेत्री ने अपनी परवरिश को याद करते हुए कहा कि उनके माता-पिता बेहद अनुशासित और सख्त स्वभाव के थे। उन्हें अपनी उम्र के दोस्तों के साथ घूमने-फिरने या डेटिंग जैसी गतिविधियों की अनुमति नहीं थी।

आज के माता-पिता को दी संतुलित परवरिश की सलाह| पूनम ढिल्लों का मानना है कि बच्चों को सही-गलत समझने और फैसले लेने की क्षमता विकसित करने के लिए उन्हें स्वतंत्रता और अनुभव दोनों की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों को नई चीजें सीखने, दुनिया को समझने और अपने निर्णय लेने का अवसर देना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन के प्रति व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है।

प्रेम विवाह के बावजूद नहीं बन सकी सफल साझेदारी

अपने पूर्व पति अशोक ठकेरिया का जिक्र करते हुए पूनम ने कहा कि वह आज भी उन्हें एक अच्छा इंसान मानती हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि केवल अच्छा इंसान होना सफल वैवाहिक जीवन की गारंटी नहीं है। उनके अनुसार, शादी को सफल बनाने के लिए सोच, परवरिश, शिक्षा और जीवन मूल्यों का मेल होना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कम उम्र और सीमित अनुभव के कारण उन्होंने प्रेम विवाह का फैसला किया था, लेकिन बाद में जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

जॉनी लीवर का शरारती प्रैंक: अनिल कपूर को बना दिया था 'शत्रुघ्न सिन्हा', द कपिल शर्मा शो' में खुलासा

मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर ने एक पुराने मजेदार प्रैंक का खुलासा किया है, जिसमें अभिनेता अनिल कपूर बुरी तरह घबरा गए थे। यह किस्सा उन्होंने द कपिल शर्मा शो में सुनाया, जहां होस्ट कपिल शर्मा ने उनसे फोन प्रैंक को लेकर सवाल किया था।

जॉनी लीवर ने बताया कि फिल्म तेजाब की शूटिंग के दौरान उन्होंने एक ऐसा प्रैंक किया जिसे अनिल कपूर कभी नहीं भूल पाए। उन्होंने फोन पर खुद को दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा बताकर अनिल कपूर को कॉल किया। फोन पर उन्होंने बेहद आत्मविश्वास से कहा, ÷अनिल, कैसे हो? सब ठीक? शाम को मिलते हैं÷ और फिल्म शूटिंग से जुड़ी बातें ऐसे कीं जैसे वह सच में शत्रुघ्न सिन्हा हों। अनिल कपूर उस वक्त घबरा गए और लगातार ÷हां सर, हां सर÷ कहते रहे।

कुछ देर बाद जॉनी लीवर ने खुलासा किया कि यह कॉल शत्रुघ्न सिन्हा का नहीं बल्कि उनका ही मजाक था। सच्चाई सुनकर अनिल कपूर हैरान भी हुए और थोड़े नाराज भी हो गए। हालांकि बाद में यह किस्सा हंसी-मजाक में बदल गया।

एन. चंद्रा के निर्देशन में बनी तेजाब में अनिल कपूर के साथ माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म में

अनुपम खेर, चंकी पांडे, अरुणा ईरानी और कई अन्य कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाईं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के संगीत ने फिल्म को और भी लोकप्रिय बना दिया था। 11 नवंबर 1988 को रिलीज हुई यह फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही और आज भी बॉलीवुड के क्लासिक्स में गिनी जाती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर जल्द ही स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा में नजर आएंगे।

मेट्रो बाजार

भव्य योजना से भारत में विकसित होगी नई पीढ़ी की औद्योगिक अवसंरचना: उद्योग जगत

नई दिल्ली ।भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) देश में नई पीढ़ी की औद्योगिक अवसंरचना विकसित करने की दिशा में एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। उद्योग जगत का मानना है कि यह योजना भारत के औद्योगिक विकास को नई गति देगी। केंद्र सरकार ने 33,660 करोड़ रुपए की भव्य केंद्रीय क्षेत्र योजना के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए 50 प्रस्तावों का चयन किया जाएगा, ताकि विनिर्माण क्षेत्र में निवेश बढ़े और रोजगार के नए अवसर पैदा हों। इस योजना के तहत 100 औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, यह योजना भारत के औद्योगिक ढांचे को विकसित करने के तरीके में बड़ा बदलाव लाएगी। अब बिखरे हुए और केवल आपूर्ति आधारित विकास की जगह मांग आधारित और प्रतिस्पर्धी व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी जो औद्योगिक क्षमता, भूमि उपलब्धता, निवेशकों की रुचि और क्षेत्रीय विशेषताओं के आधार पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंदरू ने कहा कि राज्यों द्वारा संचालित प्रतिस्पर्धी मॉडल और पारदर्शी डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विश्वस्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किए जा सकेंगे। इनमें आधुनिक अवसंरचना, बेहतर संपर्क व्यवस्था और निवेशकों के लिए अनुकूल प्रक्रियाएं उपलब्ध होंगी।

महंगाई ने तोड़ा रिकॉर्ड, सोने-चांदी के आभूषणों और टमाटर-अदरक ने बिगाड़ दिया बजट

नई दिल्ली। इस तपती गर्मी में सिर्फ मौसम का पारा ही नहीं चढ़ रहा है, आपके घर का मासिक बजट और रसोई का खर्च भी बढ़ रहा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई के आधिकारिक आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि आम आदमी की जेब पर चौतरफा बोझ बढ़ रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 16 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई।?इसकी प्रमुख वजह चांदी और सोने के गहनों के साथ?टमाटर एवं अदरक की कीमतों में तेल उछाल है। अगर खाद्य महंगाई के आंकड़े देखें, तो यह और भी डरावना है। खाद्य महंगाई बीते माह बढ़कर 4.78 फीसदी पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 4.20 फीसदी थी।

महंगाई बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा हाथ खाने-पीने की चीजों और व्यक्तिगत रखरखाव के खर्च का है। आंकड़ों के मुताबिक, व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और अन्य विविध वस्तुओं एवं सेवाओं की श्रेणी में महंगाई में सालाना आधार पर 18.46 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। रेस्टोरेंट-होटल जैसी सेवाएं 5.75 फीसदी और पान-तंबाकू 4.83 फीसदी महंगे हुए?हैं, जिसने आम आदमी का खर्च बढ़ा दिया है।

इन चीजों ने बढ़ाया संकट

चांदी के गहने : यहां महंगाई का विस्फोट हुआ है और कीमतें एक साल पहले की तुलना में 155.23 फीसदी महंगी हो चुकी हैं।

टमाटर : रसोई के राजा टमाटर के दाम 48.43 फीसदी चढ़ चुके हैं।

सोने, हीरे और प्लेटिनम के आभूषण : इनकी महंगाई दर भी 40.93 फीसदी पहुंच गई है।

अदरक : चाय का स्वाद कड़वा करते हुए यह 32.49 फीसदी महंगा।

मनाली से चमोली तक पहाड़ पैक और सड़कें ब्लॉक, हिल स्टेशंस पर उमड़ी लाखों की भीड़

शिमला। गर्मी की छुट्टियों, लंबे वीकेंड और सुहावने मौसम के चलते हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर इन दिनों भारी भीड़ देखने को मिल रही है। कुल्लू-मनाली से लेकर धर्मशाला, शिमला, डलहौजी और बदरीनाथ धाम तक लाखों पर्यटकों और श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। एक ओर पर्यटन कारोबार में जबरदस्त उछाल आया है, तो दूसरी ओर कई स्थानों पर ट्रैफिक व्यवस्था और बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई है। वहीं, दूसरी ओर पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए हाईवे पर 40 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की है। मनाली में इस समय पर्यटकों का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, बीते 13 दिनों में करीब 3 लाख पर्यटक कुल्लू-मनाली पहुंचे हैं। अटल टनल रोहतांग, रोहतांग पास, शिंकुला और बारालाचा जैसे पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। पिछले पांच दिनों में अटल टनल से 50 हजार से अधिक वाहन गुजरे, जबकि अकेले मनाली में लगभग 15 हजार बाहरी वाहनों की एंट्री दर्ज की गई।

न्यूज विंडो

स्कूटी की टक्कर के बाद गुड्स कैरियर ने पुलिसकर्मी को कुचला, मौत

नई दिल्ली। देश की राजधानी में ड्यूटी के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। हादसा कश्मीरी गेट स्थित रिंग रोड पर उस समय हुआ, जब वह यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। जानकारी के मुताबिक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में तैनात हेड कॉन्स्टेबल अनिल (39) शांति वन से चांदनी राम अखाड़ा की ओर जाने वाले मार्ग पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान हनुमान मंदिर की तरफ से आ रही एक स्कूटी, जिस पर तीन लोग सवार थे, ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अनिल सड़क पर गिर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर गिरते ही पीछे से आ रही एक मालवाहक गाड़ी (गुड्स कैरियर) ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें सिविल लाइंस स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

श्रीलंका से सिडनी जा रही एयरलाइंस की फ्लाइट पर बिजली गिरी

कोलंबो। श्रीलंकन एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल-606 कटुनायके स्थित बंदरानायके अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से सिडनी के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान विमान पर बिजली गिर गई। इसके बाद फ्लाइट को सुबह करीब 1:40 बजे सुरक्षित रूप से वापस उसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। फ्लाइट में 217 यात्री और 16 क्रू मेंबर सवार थे। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, बाद में श्रीलंकन एयरलाइंस ने यात्रियों को सिडनी भेजने के लिए उसी मॉडल का दूसरा विमान उपलब्ध कराया।

ब्रिटेन में 26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या, 7 गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके से 20 से 30 साल की उम्र के 7 लोगों को हत्या के शक में हिरासत में लिया था। जांच के बाद 6 लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया गया है। उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर करीब रात 12:30 बजे हमला हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद अब वह खतरे से बाहत है। पुलिस ने बताया कि गुरभेज सिंह के परिवार को सहायता दी जा रही है।

राम मंदिर के चंदे में गबन का मामला : सीसीटीवी समेत कई अहम सबूत मिले

भनक नहीं लगी या नजरअंदाज किया? मार्च 2025 से चल रहा था 'खेल'

लखनऊ, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावे की राशि को गबन करने मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। हेरफेर व गबन का ये खेल पिछले सवा साल से चल रहा था। भनक लगी तो निगरानी की गई और फिर खेल उजागर हुआ। आखिरी के कुछ महीने में बड़ी रकम पार की गई। सूत्रों के मुताबिक, मार्च 2025 से संदिग्धों ने रकम पार करना शुरू किया था। सूत्रों का दावा है कि पहली बार 25 मार्च 2025 को रकम पार की गई थी। उसके बाद ये सभी नियमित रूप से गिनती के दौरान रकम इधर से उधर लेकर चले जाते थे। मंदिर परिसर कैमरों की निगरानी में है। मंदिर के नियमित कार्यों को देखें तो उसमें सबसे अहम कार्य चंदे की राशि की गिनती है। जो सिर्फ इन कर्मियों के भरोसे छोड़ दी गई थी। हालांकि ये यकीन से परे है कि जहां रोजाना लाखों-करोड़ों रुपये गिने जाते हों, वहां सिर्फ यही पांच लोग रहते होंगे। कुछ पदाधिकारी व सुरक्षाकर्मी भी रहते थे। अब उनकी मौजूदगी व निगरानी में इतनी बड़ी रकम पार कर ले जाना और उनको भनक न लगना बड़ा सवाल खड़ा करता है। इसलिए इसमें और कई लोगों की भूमिका का अंदेशा है। वहीं, जो संदिग्ध पकड़े गए हैं, उनके साथ वाले भी कई रडार पर हैं। चढ़ावे की गिनती के दौरान पदाधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी व निगरानी में इतनी बड़ी रकम पार कर ले जाना और उनको भनक न लगना बड़ा सवाल है।

एफआईआर नहीं कराने पर भी उठ रहे सवाल

चंदे की राशि गबन की गई है। बरामदगी से इसकी पुष्टि हो चुकी है लेकिन अब तक एफआईआर न करवाना सवाल खड़ा करता है। आखिर ट्रस्ट की तरफ से एफआईआर क्यों नहीं कराई जा रही है। अपने स्तर से ट्रस्ट जांच तो कर सकती है लेकिन किसी को पकड़ कर लाना, उससे पूछताछ करना और घरों में जाकर चोरी की रकम बरामद करना, ट्रस्ट का काम नहीं बल्कि पुलिस व जांच एजेंसियों का है।

किसी बड़े की भूमिका... शायद इसलिए सन्नाटा: ट्रस्ट की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। बड़ा सवाल है कि क्या गबन के खेल के पीछे कोई बड़ा नाम है, इसलिए मामला दबाया जा रहा है। जब गबन का मामला खुला था, उसी वक्त पुलिस, अन्य किसी एजेंसी या एसआईटी को जांच क्यों नहीं सौंपी गई? इतने दिन बीतने के बाद एसआईटी की मांग की गई है। क्या इतने वक्त में सुबूत नष्ट करने का काफी वक्त नहीं मिल गया?

दानपात्र प्रकरण पर नृपेंद्र मिश्र ने साधी चुप्पी

राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन प्रकरण की जांच के बीच शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे। उनके दौरे पर सबकी निगाहें दान विवाद को लेकर संभावित प्रतिक्रिया पर टिकी थीं, लेकिन उन्होंने टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

महाराष्ट्र में राजनीति हलचल तेज

टीएमसी के बाद यूबीटी सांसदों ने दिखाए तेवर, उद्धव ने बुलाई बैठक

मुंबई। उद्धव ठाकरे की पार्टी के दो-तिहाई सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की सेना में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। इन अटकलों के बाद महाराष्ट्र में हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को अपने सभी सांसदों को मुंबई बुलाया। वह आज उनसे मिलेंगे। सभी को मातोश्री में मीटिंग के लिए बुलाया गया है। लोकसभा में सेना (यूबीटी) के 9 सांसद हैं, और किसी भी तरह के बंटवारे के लिए दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए कम से कम 6 सांसदों की जरूरत होगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह देखना अहम होगा कि आज को कितने सांसद आते हैं, क्योंकि संजय जाधव (परभणी) जैसे कुछ सांसद हाल ही में पार्टी की बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं। बैठक दोपहर को बांद्रा ईस्ट इलाके में बने उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री में है।

शिवसेना के पदाधिकारियों का कहना है कि दो-तिहाई का आंकड़ा हासिल करना आसान नहीं होगा, खासकर तब जब पार्टी के तीन सांसद मुंबई से हों और मातोश्री के प्रति समर्पित हों। उद्धव ने शनिवार को अपने सभी सांसदों को मुंबई में बुला लिया था। इसी दिन सेना विधायक आदित्य ठाकरे का जन्मदिन भी था।

पश्चिम बंगाल: सुदीप बंदोपाध्याय ने भी छोड़ा ममता बनर्जी का साथ!

कोलकाता। प. बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर का अंदरूनी घमासान अब पूरी तरह चरम पर पहुंच गया है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के सबसे वफादार और भरोसेमंद रहे वरिष्ठ सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने भी अब बगावती तेवर अपनाते हुए विद्रोही खेमे का हाथ थाम लिया है। सूत्रों का कहना है कि ये खेमा सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर खुद को 'असली टीएमसी' संसदीय समूह के तौर पर मान्यता दिलाने की तैयारी कर रहा है। साथ ही इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शनिवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व ममता बनर्जी सरकार में मंत्री रहे मानस भूनिया ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

भाजपा नेता विनोद की हत्या के बाद बवाल भीड़ ने आरोपी के घर में लगाई आग

विकासनगर (देहरादून). सहसपुर कोतवाली क्षेत्र के बैरागीवाला में देर रात भाजपा के ओबीसी मोर्चा के मीडिया प्रभारी विनोद की पीट कर हत्या के बाद गांव में सांप्रदायिक चुनाव की स्थिति बनी हुई है। आज आरोपी के घर को जेसीबी से तोड़ने की मांग करते हुए बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग गांव में एकत्र हो गए। भीड़ में आप के घर में आग लगा दी है। पुलिस भीड़ को काबू करने का प्रयास कर रही है।

ये है पूरा मामला: जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात सहसपुर में पुरानी रंजिश के चलते पूर्व प्रधान इस्पाक के भतीजे और अन्य लोगों ने मिलकर विनोद उसके भाई अशोक व राजेश पर हथियारों से हमला कर दिया था। विनोद और उसके परिवार ने पूर्व प्रधान इस्पाक के कार्यकाल की सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत कई जानकारी मांगी थी।

ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी गाड़ी

यूपी: लखनऊ के कैंट इलाके में ट्रेन को पलटाने की रची गई साजिश, हुई नाकाम

लखनऊ। यूपी की राजधानी में एक बार फिर रेल यात्रियों की जान से खिलवाड़ करते हुए ट्रेन को डिरेल (पटरी से उतारने) करने की साजिश सामने आई है। इस बार कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास दोपहर पंजाब मेल के आने से पहले रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का चौखट रख दिया गया। लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद लोहे का चौखट इंजन में फंस गया।

इस मामले में कैंट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) राजकिशोर मिश्र के अनुसार, 13006 पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे ट्रेन जब कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची, तभी लोको पायलट ने ट्रैक पर लोहे का बड़ा चौखट पड़ा देखा। उन्होंने बिना देरी किए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद इंजन ट्रैक पर रखे 50 किलो वजनी लोहे के चौखट से टकरा गया और वह इंजन के नीचे फंस गया। लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी।

मेट्रो एंकर | **सेना ने छोड़ी ब्रिटिश परंपरा : टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर नियम सख्त**

नई वर्दी, नई पहचान: भारतीय सेना ने अपनाई 'बंदी' जैकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने के लिए अपनी ड्रेस से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इसके तहत औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली 'बंदी' जैकेट पहनने की मंजूरी दी गई है, सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटाया गया है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना वैकल्पिक कर दिया गया है।

इन बदलावों की जानकारी हाल ही में जारी 174 पेज के मैनुअल 'आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026' में दी गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ऐसा मैनुअल आखिरी बार आठ साल पहले जारी किया गया था।

मैनुअल में क्या कहा गया

एक रिपोर्ट के अनुसार, मैनुअल में बताया गया, 'देश की भावनाओं और बदलती संप्रभु पहचान को ध्यान में रखते हुए, कई सोच-समझकर किए गए बदलाव शामिल किए गए हैं। कुल

मिलाकर, ये बदलाव औपनिवेशिक दौर की बची-खुची निशानियों की प्रगतिशील समीक्षा को दर्शाते हैं, साथ ही भारतीय सेना की गरिमा, कार्यक्षमता और स्थायी परंपराओं को भी बनाए रखते हैं।

दलावों के तहत, सेना ने सभी रैंक के सैनिकों के लिए '3बी' नाम की एक नई विंटर ड्रेस (सर्दियों की वर्दी) शुरू की है। इसमें अंगोला शर्ट के साथ बैटल जैकेट और बेरेट शामिल है।

यूनिफॉर्म के अलावा क्या-क्या बदला

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में कर्मचारियों के लुक और ग्रूमिंग से जुड़े कई तरह के स्टैंडर्ड शामिल हैं। जैसे कि टैटू और बॉडी पियर्सिंग से लेकर हेयरकट, मूंछें और कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल। हली बार, नियमों में अधिकारियों को फॉर्मल ड्रेस कोड के तौर पर 'बंदी जैकेट' पहनने की इजाजत दी गई है। यह बंदगला, लाउंज सूट, कॉम्बिनेशन ड्रेस या टाई और फॉर्मल ट्राउजर के साथ फुल-स्लीव शर्ट के अलावा है। मैनुअल में कहा गया है, 'पूरी आस्तीन वाली शर्ट के ऊपर बंद गले का कोट (बंदी जैकेट) पहना जा सकता है। बंदी जैकेट गले पर हुक वाली या बिना हुक वाली हो सकती है (दोनों तरह के डिजाइन मान्य हैं) और इसका रंग सॉलिड और सोबर होना चाहिए। इसके साथ सोबर डिजाइन वाली मैचिंग फॉर्मल ट्राउजर और बंद फॉर्मल जूते पहने जाने चाहिए।

दिल्ली जा रही बस महामाया फ्लाईओवर के पास पलटी, 12 यात्री हुए घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास एक तेज रफ्तार बस रविवार को हादसे का शिकार हो गई। बस पहले डिवाइडर से टकराई और फिर कंट्रोल से बाहर होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, बस फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही थी। जब बस नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास पहुंची, तभी चालक का कंट्रोल बस पर नहीं रहा। तेज रफ्तार बस डिवाइडर से जाकर टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। इसी के साथ पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564